दिल्ली
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्यूनतम तापमान 24 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्यूनतम तापमान 23 डिग्री

शुक्रवार 12 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06:05 बजे
सूर्यास्त सांय 18:30 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 जेन-जी का दीवाल पर दो टूक मैसेज- बेवकूफ बनाना बंद करो!

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंकः 328 | गाजियाबाद, शुक्रवार 12 सितंबर 2025 | मूल्यः ₹ 2 | पेजः 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CSDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा
व अन्य रसोई मसाले

देश में वोट चोरी कर बनाई जा रहीं हैं सरकारें : राहुल गांधी

एनसीआर टुडे. रायबरेली । लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता व कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने वाला है। सारा सब कुछ साफ हो जाएगा। वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं। वोट चोरी के ब्लैक एंड व्हाइट सबूत पहले ही दिए जा चुके हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को यहां दिशा की बैठक में शामिल होने के बाद यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। सांसद राहुल गांधी इस समय दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग बहुत आंदोलित हो रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब हाइड्रोजन बम आएगा तो सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में वोट चोरी कर सरकारें बनाई जा रही हैं। राहुल ने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक एंड व्हाइट सबूत दिए हैं। एक सवाल के जवाब में भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह इंतजार करें। बहुत जल्द वोट चोरी के और खुलासे आने वाले हैं।

असम चुनाव से पहले कांग्रेस ने पांच अतिरिक्त समन्वयक नियुक्त किए

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली । असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी ने चुनावी प्रबंधन और मीडिया समन्वय को मजबूती देने के लिए पांच अतिरिक्त समन्वयकों की नियुक्ति की है। पार्टी के मीडिया कोऑर्डिनेटर श्रीचरण सिंह सप्रा से परामर्श के बाद यह नियुक्तियां आधिकारिक तौर पर घोषित की गईं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा द्वारा एक पत्र के माध्यम से दी गई जानकारी के मुताबिक पार्टी ने जिन नेताओं को यह नई जिम्मेदारी सौंपी है, उनमें प्रदीप बालमुचू, रोहन मित्रा, अब्बास हफीज, नीलाब शुक्ला और हरमीत बवेजा शामिल हैं। इन्हें आगामी दिनों में अलग-अलग जोन में चुनावी अभियान और मीडिया प्रबंधन की जिम्मेदारी दी जाएगी। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि इन नियुक्तियों से पार्टी की जमीनी पकड़ और मीडिया रणनीति दोनों को मजबूती मिलेगी। विधानसभा चुनाव से पहले संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की कवायद के तहत ये कदम उठाए गए हैं।

रूसी सेना में शामिल होने के प्रस्तावों के झांसे में न आएं भारतीय : विदेश मंत्रालय

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली । रूस की सेना में कुछ भारतीय नागरिकों की भर्ती की मीडिया रिपोर्टों के बीच विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रशताव के झांसे में ना आए क्योंकि इसमें कई जोखिम हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती से संबंधित मीडिया के सवालों के जवाब में गुरुवार को कहा कि भारतीय नागरिकों को इस तरह के प्रशताव से दूर रहना चाहिए क्योंकि इसमें खतरे हैं। उन्होंने कहा, " हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस तरह की कार्रवाई में निहित जोखिमों और खतरों को रेखांकित किया है और तदनुसार भारतीय नागरिकों को आगाह किया है। "

राष्ट्रपति भवन में 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह 13, 20 और 27 सितंबर को नहीं होगा

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली । रस्मी गार्डों की अदला-बदली का राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाला परंपरागत 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह 13, 20 और 27 सितंबर को नहीं होगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार को बताया गया कि सेरेमोनियल बटालियन राष्ट्रपति अंगरक्षक को डायमंड जुबली सिल्वर ट्रम्पेट एवं ट्रम्पेट बैनर प्रदान करने संबंधी प्रस्तुति समारोह की तैयारियों और अभ्यास में व्यस्त रहेगी। इसके मद्देनजर 13, 20 और 27 सितंबर को 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह नहीं होगा।

PM ने किया देहरादून का दौरा

उत्तराखंड में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए समीक्षा बैठक की

वेबवार्ता. देहरादून/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून का दौरा कर हाल ही में बादल फटने, भारी वर्षा और भूस्खलन से हुई तबाही की स्थिति का जायजा लिया और राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राज्य के लिए 1200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि प्रधानमंत्री ने देहरादून का दौरा किया और उत्तराखंड में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए समीक्षा बैठक की। प्रधानमंत्री ने आपदा पीड़ितों और राहत कार्यों में जुटे एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, राज्य प्रशासन और अन्य संगठनों के कर्मियों से भी मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने इस प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वालों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये तथा गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि हाल की आपदा में अनाथ हुए बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत संपूर्ण सहयोग और देखभाल उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनकी दीर्घकालिक देखभाल और कल्याण सुनिश्चित होगा।

मोदी ने बैठक में कहा कि पुनर्वास और राहत कार्य बहुआयामी दृष्टिकोण से किए जाएंगे, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों और विद्यालयों का पुनर्निर्माण, पशुपालन के लिए मिनी किट का वितरण तथा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से सहायता शामिल होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त मकानों के पुनर्निर्माण के लिए विशेष परियोजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रशताव पर प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण के अंतर्गत वित्तीय सहयोग दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने पहले ही अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दलों को उत्तराखंड भेज दिया है, जो नुकसान का आकलन करने के लिए राज्यों का दौरा कर रहे हैं तथा उनकी विश्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के उन परिवारों से मुलाकात की जो हाल ही में भूस्खलन और बाढ़ सहित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने पीड़ित सभी लोगों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की और उन परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उन्होंने तत्काल राहत और प्रतिक्रिया में योगदान देने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, राज्य प्रशासन और अन्य सेवा-उन्मुख संगठनों के कर्मियों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत दी जा रही यह अग्रिम सहायता अंतरिम अवधि के लिए है। राज्य सरकार के ज्ञापन और केंद्रीय टीमों की रिपोर्ट के आधार पर आगे और सहयोग पर विचार किया जाएगा। उन्होंने आश्वशत किया कि केंद्र सरकार प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और आधारभूत संरचना बहाली के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

राहुल गांधी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप, भाजपा के सवाल

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने राहुल गांधी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप लगाया है। इस संबंध में सीआरपीएफ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खरगे को पत्र भी लिखा।

राहुल गांधी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सवाल उठाए हैं। गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर राहुल गांधी विदेश यात्राओं के दौरान बार-बार सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हैं, तो कुछ सवाल उठते हैं। विदेश यात्राओं के दौरान ऐसा क्या होता है कि उन्हें अपनी ही सुरक्षा पर भरोसा नहीं होता और वे प्रोटोकॉल तोड़ देते हैं? क्या वहां से कोई सामग्री आ रही है? क्या कुछ गुप्त रूप से किया जा रहा है? उन्हें विदेश में ज्यादा सुरक्षा महसूस होती है। उन्होंने कहा कि अगर कल को कुछ हुआ, तो क्या सुरक्षा एजेंसियों को दोषी ठहराया जाएगा?

कांग्रेस को उनसे पूछना चाहिए कि विदेश यात्राओं पर वे कौन सी गुप्त बैठकें करते हैं जिससे सुरक्षा का उल्लंघन होता है? उधर, कांग्रेस ने CRPF के पत्र को सार्वजनिक करने के समय पर सवाल उठाया। गुरुवार को कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक्स पर कहा कि सीआरपीएफ के पत्र को जारी करने का समय और उसका तुरंत सार्वजनिक रूप से जारी होना, परेशान करने वाले सवाल खड़े करता है।

लोकतंत्र में हक के लिए आवाज उठाना हमारा संवैधानिक अधिकार : आप

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि लोकतंत्र में हक के लिए आवाज उठाना आंदोलन करना हमारा संवैधानिक अधिकार है।

आप में वरिष्ठ नेता और राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को कहा, 'बहुत दुःख की बात है जम्मू-कश्मीर के कई बार मुख्यमंत्री रहे डॉक्टर फारूख अब्दुल्ला पुलिस द्वारा मुझे हाउस अरेस्ट किए जाने की ख़बर पाकर मुझसे मिलने सरकारी गेस्ट में आये उन्हें मिलने नहीं दिया गया। ये तानाशाही नहीं तो और क्या है?'

उन्होंने कहा, 'तानाशाही चरम पर है मैं इस वक़्त श्रीनगर में हूँ। लोकतंत्र में हक के लिए आवाज उठाना आंदोलन करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। आज आप विधायक मेहराज मलिक की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ श्रीनगर में प्रेस कांफ्रेंस और धरना था लेकिन सरकारी गेस्ट हाउस को पुलिस छावनी बना दिया गया है। मुझे इमरान हुसैन और साथियों को गेस्ट हाउस से बाहर निकलने की इजाजत नहीं है।'

उल्लेखनीय है कि सांसद संजय सिंह ने कल कहा था कि डोडा विधायक मेहराज मलिक के ऊपर पीएसए लगाना गैर संवैधानिक और गैर कानूनी है। यह कही न कहीं केंद्र सरकार की जन विरोधी मानसिकता है। श्री मलिक जनता के लिए अस्पताल मांग रहे थे और सरकार ने उनको पीएसए दे दिया।

मॉरिशस की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज देगा भारत : मोदी

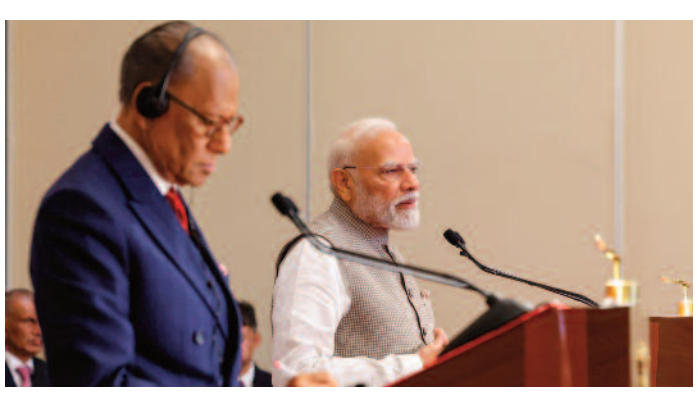

एनसीआर टुडे. वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरिशस और भारत को एक परिवार करार देते हुए कहा है कि दोनों देशों के सपने एक हैं और भारत ने मॉरिशस की ढांचागत विकास तथा स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी आवशयकताओं को पूरा करने के लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि मॉरिशस के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा और समुद्री क्षमता को मजबूत करने के लिए भी भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत ने मॉरिशस में आयुष उत्कृष्टता केन्द्र, 500 बिश्तर का सर शिवसागर रामगुलाम राष्ट्रीय अस्पताल, वेटेनरी स्कूल और पशु अस्पताल के निर्माण सहयोग का भी निर्णय लिया है।

दोनों देशों ने हाइड्रोग्राफी के क्षेत्र में एक समझौता ज्ञापन पर भी हश्ताक्षर किये हैं। इसके अलावा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास तथा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट ने भी मॉरिशस विश्वविद्यालय के साथ समझौते किये हैं।

श्री मोदी ने भारत की यात्रा पर आये मॉरिशस के प्रधानमंत्री डा. नवीनचन्द्र रामगुलाम के साथ गुरुवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में यह घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मॉरिशस के विकास में एक विश्वसनीय और प्राथमिक साझेदार होना भारत के लिए गर्व की बात है और इसे ध्यान में रखते हुए भारत ने मॉरिशस की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से उसके लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज के बारे में निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, ' आज हमने मॉरिशस की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए एक विशेष आर्थिक पैकेज पर निर्णय लिया है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेगा, रोज़गार के नए अवसर पैदा करेगा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करेगा। ' श्री मोदी ने कहा कि यह सहायता नहीं बल्कि दोनों देशों के साझा भविष्य के लिए निवेश है।

मोदी ने भागवत को दी जन्मदिन की बधाई

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। श्री मोदी ने देश और समाज के प्रति श्री भागवत के सेवा कार्य का उल्लेख करते हुए उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बधाई संदेश में कहा, 'श्री भागवत ने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र से प्रेरित होकर समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है।'

अब देश के 13 हवाई अड्डों पर मिलेगी 30 सेकंड में इमीग्रेशन सुविधा : अमित शाह

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, त्रिची, कोझिकोड और अमृतसर सहित पांच हवाई अड्डों पर फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन–ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम (एफटीआई-टीटीपी) का उद्घाटन किया।

इसके साथ ही देश के 13 हवाई अड्डों पर यह सुविधा उपलब्ध हो गई है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्पीड, स्केल और स्कोप' के विजन को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम प्रवासियों और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि अब यात्रियों को लंबी कतारों और मैनुअल जांच से गुजरने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे सिर्फ 30 सेकंड में इमीग्रेशन क्लीयरेंस प्राप्त कर सकेंगे।

गृह मंत्री ने बताया कि यह कार्यक्रम 2024 में दिल्ली से शुरू हुआ था और उसके बाद मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, कोचीन और अहमदाबाद को जोड़ा गया था। आज पांच और नए हवाई अड्डे इसमें शामिल होने के बाद कुल 13 हवाई अड्डों पर यह सुविधा शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में नवी मुंबई और जेवर हवाई अड्डों को भी इसमें जोड़ा जाएगा।

शाह ने कहा कि अब तक लगभग तीन लाख यात्रियों ने इस पोर्टल पर पंजीकरण किया है, जिनमें से 2.65 लाख यात्रियों ने यात्रा के दौरान इसका उपयोग भी किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि पासपोर्ट और ओसीआई कार्ड जारी करते समय ही इस सुविधा से जोड़ने की संभावना तलाशनी चाहिए ताकि यात्रियों को अलग से दश्तावेज या फिंगरप्रिंट देने की आवश्यकता न रहे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार बनने के बाद से अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2014 में विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या 3.54 करोड़ थी, जो 2024 में बढ़कर 6.12 करोड़ हो गई। इसी प्रकार भारत आने वाले विदेशी यात्रियों की संख्या 2014 के 1.53 करोड़ से बढ़कर 2024 में दो करोड़ हो गई। कुल मिलाकर, 2014 के 5.07 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की तुलना में 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 8.12 करोड़ तक पहुँच गया, जो 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

अगस्त में 3 लाख वाहन स्क्रैप, बीएस-7 मानदंडों के साथ वैश्विक स्टैंडर्ड अपनाएंगे : गडकरी

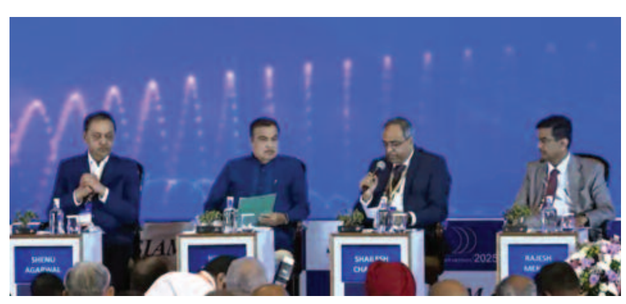

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि वाहन स्क्रैपिंग नीति देश की अर्थव्यवस्था और पर्यावरण दोनों के लिए वरदान साबित हो रही है। अगस्त 2025 तक 3 लाख वाहन स्क्रैप हो चुके हैं, जिनमें से 1 लाख 41 हजार सरकारी वाहन थे, जबकि देश में 97.4 लाख वाहनों को स्क्रैप किया जा सकता है।

गडकरी ने नई दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के 65वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री से स्क्रैपिंग के बाद नई गाड़ियां खरीदने वाले लोगों को जीएसटी में राहत देने का अनुरोध किया है। वर्तमान में मासिक 16,830 वाहन स्क्रैप हो रहे हैं और निजी क्षेत्र ने इस क्षेत्र में 2,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। भारत प्रतिवर्ष 27 लाख टन स्टील आयात करता है, जो स्क्रैपिंग से प्राप्त किया जा सकता है।

इसी तरह एल्यूमीनियम का आयात भी कम हो सकता है। स्क्रैपिंग से अब तक 3.67 लाख टन स्टील निकाला गया है, जो कुल जरूरत का मात्र 6 प्रतिशत है। यदि स्क्रैप धातुओं से नई गाड़ियां बनाई जाएं तो केंद्र और राज्य सरकारों को 40 हजार करोड़ रुपये का राजस्व लाभ होगा, साथ ही ऑटोमोबाइल कंपनियों को भी लागत में भारी कमी का फायदा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि भारत ने बीएस-4 से बीएस-6 उत्सर्जन मानदंडों पर पहुंच गया है, जो सभी पक्षों के समन्वय का परिणाम है। अब बीएस-7 मानदंडों और कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (कैफे) को अपनाने के लिए वैश्विक मानकों, विशेष रूप से यूरोपीय स्टैंडर्ड्स के साथ तालमेल बनाए रखा जाएगा।

वायु प्रदूषण को देश की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए उन्होंने कहा कि परिवहन क्षेत्र कुल प्रदूषण का 40 प्रतिशत योगदान देता है। स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर पड़ रहा है।

गडकरी ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि माल परिवहन का 81 प्रतिशत सड़कों से, मात्र 1 प्रतिशत रेल से और 17 प्रतिशत अन्य माध्यमों से होता है। सड़कों का विश्तार तेजी से हो रहा है। एक्सप्रेसवे निर्माण कार्य चल रहा है।

उन्होंने कहा कि आईआईटी कानपुर, चेन्नई और मुंबई की रिपोर्ट बताती है कि लॉजिस्टिक्स लागत 16 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह गई है। दिसंबर 2025 तक यह 9 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। यदि माल सीधे हाइवे से फैक्ट्रियों तक पहुंचाया जाए तो लागत और कम होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अकोला दंगों के मामले की जांच के लिए एसआईटी गठन करने का दिया निर्देश

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने 2023 में महाराष्ट्र के अकोला में हुए दंगों के मामले की

जांच के लिए गुरुवार को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस संबंध में आदेश पारित करते हुए कहा कि एसआईटी में हिन्दू और मुस्लिम दोनों समुदायों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल किए जाएंगे।

पीठ ने दंगों के दौरान एक हत्या मामले के चश्मदीद गवाह होने का दावा करने वाले मोहम्मद अफजल मोहम्मद शरीफ की विशेष पर अनुमति याचिका यह फैसला सुनाया।

शीर्ष अदालत ने अपना यह फैसला सुनाते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि एक बार जब कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहन लेता है, तो उसे सभी प्रकार के पूर्वाग्रहों (धर्म, जाति आदि पर आधारित) से ऊपर उठकर कानून के अनुसार अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

याचिकाकर्ता का दावा है कि दंगों के दौरान उस पर भी हमला किया गया था। उन्होंने इस मामले में विशेष जांच दल के गठन की मांग करते हुए बॉम्बे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय ने याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उन्होंने अपनी बात कहने के लिए उचित समय सीमा में पुलिस अधिकारियों से संपर्क नहीं किया था।

नोडल अधिकारी ने गौशाला का किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी डा0 मेमपाल सिंह, अपर निदेशक, पशुपालन लखनऊ द्वारा जिले का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान अपर निदेशक द्वारा विकास खण्ड चण्डौस में संचालित वृहद गौसरंक्षण केन्द्र नगला ओगर राजू का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय आश्रय स्थल में 539 गौवंश संरक्षित पाए गए। 04 गौवंश बीमार थे जिनकी मौके पर ही चिकित्सा कराई गई। गौशाला में लगभग 4000 कुंतल भूसा संरक्षित है। 10 बीघा भूमि में नेपियर घास बोई गई है। नोडल अधिकारी ने वृहद गौसंरक्षण केन्द्र में 02 शैडो के बीच कच्चे स्थान पर इण्टर लॉकिंग कराये जाने व केन्द्र की वाउण्ड्रीवाल एवं भूसा गौदाम के निर्माण का एस्टीमेट बनाकर लखनऊ प्रेषित कराये जाने के निर्देश दिये। नोडल अधिकारी द्वारा सॉयकाल में नगर निगम द्वारा संचालित गौशाला का भी भ्रमण किया गया। इस मौके पर अपर निदेशक, पशुपालन, अलीगढ डा0 प्रमोद कुमार, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डा0 दिवाकर त्रिपाठी, विकास खण्ड़ चण्डौस के उपमुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी एवं पशुचिकित्सा अधिकारी व स्टाफ एवं गौशाला संचालक उपस्थित रहे।

बुलडोजर ने किये अवैध कब्जे ध्वस्त

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। तहसील कोल के ग्राम कासिमपुर स्थित मुख्य गंगा नहर के किलोमीटर 269.100 पर अवैध कब्जों पर प्रशासन का बुलडोजर चला। सिंचाई विभाग की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँची और चिन्हित अतिक्रमणों को ध्वशत करना शुरू कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों में खलबली मच गई, लेकिन अधिकारियों ने समझाकर शासकीय कार्य में बाधा न डालने की हिदायत दी। अधिशासी अभियन्ता सिंचाई राजेन्द्र कुमार ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 21 मई 2025 को ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया गया था, पर कब्जा न हटाने पर आज यह कार्रवाई करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि कार्यवाही में कुल 0.029565 हेक्टेयर भूमि से अवैध कब्जे हटाए गए। बुलडोजर की गरज के साथ एक-एक कर सभी चिन्हित अवैध निर्माणों को ध्वशत कर दिया गया।

जेम पोर्टल पर पंजीकरण के लिए मण्डलीय कार्यशाला

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। उद्यमियों को पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से सामग्री एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जेम पोर्टल पर पंजीकरण के संबंध में मण्डल की एमएसएमई इकाईयों के लिए मण्डल श्तरीय कार्यशाला का आयोजन गुरूवार को कमिश्नरी सभागार में किया गया। कार्यशाला में मण्डल के सभी जिलों के एमएसएमई इकाई विक्रेताओं द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें जेम टीम द्वारा जेम पोर्टल पर एमएसएमई इकाईयों को विक्रेता के रूप में पंजीकृत होने की कार्य प्रक्रिया के सम्बन्ध में बताया गया। कार्यशाला में मौके पर ही जेम पोर्टल पर मण्डल की लगभग 25 अपंजीकृत इकाईयों का पंजीकरण कराया गया। उद्यमियों ने शासन-प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला से छोटी इकाईयों को भी अपने उद्यम संचालन में सुगमता होगी। कार्यशाला में उपस्थित उद्यमियों ने पंजीकरण की प्रक्रिया के संबंध में प्रश्न पूछे और विभिन्न प्रकार की व्यावहारिक जानकारियां भी प्राप्त की। जेम टीम के सदस्यों ने उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह समय पर पंजीकरण कर सरकारी खरीद व्यवस्था से सीधे जुड़कर लाभ उठाएं।

गैर इरादतन हत्या में तीन दोषियों को दस साल की सजा

✷ एनसीआर टुडे अलीगढ़ ✷। आठ वर्ष पूर्व मारपीट के दौरान सिर में गंभीर चोट आने से हुई बुजुर्ग की मृत्यु में तीन दोषियों को 10-10 वर्ष की सजा सुनाई गई है। अपर सत्र व जनपद न्यायाधीश संजय कुमार यादव की अदालत में तीनों को 11-11 हजार रुपये के जुर्माने से भी दंडित किया है। जेल में बिताए गए समय को सजा की अवधि में समायोजित करने का भी आदेश दिया है। एक आरोपित किशोर का मामला जुवेनाइल कोर्ट में संचालित है। अभियोजन अधिकारी केएम जौहरी के अनुसार जवां के गांव सुनाना निवासी प्रेम प्रकाश ने थाने में दी तहरीर में बताया था कि 19 मई 2017 की सुबह गांव के ही सोरन, मलखान, रोहित व एक आरोपित के नाबालिग बेटे ने उनके व उनके पिता रोशनलाल से मारपीट की। लाठी-डंडे व ईंट से हमला किया, जिससे दोनों के सिर में गंभीर चोटें आ गईं। रोशन लाल की रामघाट रोड स्थित निजी अस्पताल में शाम को उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।

कैसे पता चला कि क्रॉस वोटिंग हुई, महाराष्ट्र को बदनाम न करें

पुणे , एजेंसी।
महाराष्ट्र के बारामती लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को यह कहकर महाराष्ट्र को ''बदनाम'' नहीं करना चाहिए कि राज्य के विपक्षी सांसदों ने उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन के पक्ष में 'क्रॉस वोटिंग' की। राधाकृष्णन मंगलवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। उन्हें 452 मत मिले, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 300 मत मिले।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुले ने कहा कि अगर 14 मत सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार को अनुमान से अधिक मिले तो क्या महाराष्ट्र ने ऐसा किया? उन्होंने कहा, ''आप महाराष्ट्र को बदनाम क्यों कर रहे हैं? मराठी लोगों को बदनाम मत कीजिए।'' वह इस दावे से संबंधित एक सवाल का जवाब दे रही थीं कि राज्य के कुछ विपक्षी सांसदों ने राजग उम्मीदवार को वोट दिया।

महाराष्ट्र के बारामती लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को यह कहकर महाराष्ट्र को ''बदनाम'' नहीं करना चाहिए कि राज्य के विपक्षी सांसदों ने उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन के पक्ष में 'क्रॉस वोटिंग' की। राधाकृष्णन मंगलवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। उन्हें 452 मत मिले, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 300 मत मिले। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुले ने कहा कि अगर 14 मत सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार को अनुमान से अधिक मिले तो क्या महाराष्ट्र ने ऐसा किया? उन्होंने कहा, ''आप महाराष्ट्र को बदनाम क्यों कर रहे हैं? मराठी लोगों को बदनाम मत कीजिए।'' वह इस दावे से संबंधित एक सवाल का जवाब दे रही थीं कि राज्य के कुछ विपक्षी सांसदों ने राजग उम्मीदवार को वोट दिया।

सुले ने कहा, ''मतदान गुप्त था, है ना? फिर आपको कैसे पता चला कि 'क्रॉस वोटिंग' हुई है? भाजपा के संजय जायसवाल का कहना है कि 40 (अतिरिक्त) वोट थे। इन 40 में से 11 वाईएसआर कांग्रेस के थे, जो 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं है। भाजपा के सहयोगी दल अपनी सुविधानुसार ही उन्हें समर्थन देते हैं।'' पड़ोसी देश नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हम इस मामले पर बहुत गंभीरता से नजर रख रहे हैं। केंद्र सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। दुनियाभर के कई देशों में अस्थिरता है। भारत सरकार को इन मुद्दों को गंभीरता से लेना चाहिए। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सभी एकजुट हुए थे, उसी तरह सभी दलों को एकजुट होकर सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।'' शिवसेना नेता संजय निरुपम ने बुधवार को दावा किया कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) समेत विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस गठबंधन के 16 सांसदों ने उपराष्ट्रपति के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन उम्मीदवार सी. पी. राधाकृष्णन के पक्ष में मतदान किया। राधाकृष्णन को मंगलवार रात विपक्षी उम्मीदवार और उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी के 300 वोट के मुकाबले 452 वोट मिले।

गाजियाबाद में नमो भारत स्टेशन के पास बनेगा 5 मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

गाजियाबाद , एजेंसी।
गाजियाबाद में मेरठ तिराहे पर नमो भारत स्टेशन के पास पांच मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। गाजियाबाद नगर निगम ने इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) शासन को मंजूरी के लिए भेज दी है। इसके निर्माण पर करीब 35 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें दुकानों के अलावा, रेस्टोरेंट और पार्किंग होगी।

गाजियाबाद के नमो भारत स्टेशन के सामने नगर निगम का स्टोर है। इसमें निगम का सामान रखा जाता है। निगम इसे ध्वस्त कराकर पांच मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाएगा। निर्माण विभाग ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। इसकी डीपीआर नगर विकास विभाग को भेज दी है। दो से तीन माह में डीपीआर को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके बाद निर्माण कार्य की प्रकिया शुरू होगी। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की हर मंजिल पर दुकानों के अलावा रेस्टोरेंट होंगे। नामी कंपनियों के शोरूम खोले जाएंगे। इस तरह शहर के लोग एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की खरीदारी कर सकेंगे। वाहनों को खड़ा करने के लिए बड़ी पार्किंग होगी। निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने बताया इसके बनने से गाजियाबाद के अलावा बाहर से आने वाले लोगों को लाभ मिलेगा, क्योंकि यहां नमो भारत और मेट्रो स्टेशन हैं। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनने के बाद निगम की आय बढ़ेगी। इसे निगम किराए पर दे सकता है। अधिकारियों का कहना है कि निगम की आय बढ़ने के साथ विकास कार्यों को गति मिलेगी। मेरठ तिराहे पर स्थित नमो भारत ट्रेन का गाजियाबाद स्टेशन तीन मंजिला है। गाजियाबाद स्टेशन 25 मीटर की ऊंचाई पर है। फिलहाल राष्ट्रीय राजधानी

क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर कुछ दुकानें बनाई हैं। यहां मीटिंग हॉल की सुविधा दी है। एनसीआरटीसी भी मॉल बनाने की तैयारी कर रहा है। निगम की राजनगर एक्सटेंशन में काफी जमीन है। वहां पर नगर निगम ने दुकानें बनाने का काम शुरू करा दिया। दो साल में दुकानें बनकर तैयार करने का दावा किया जा रहा है। इसके बाद दुकानों को किराए पर दिया जाएगा। बता दें निगम शहर में पहले से 1702 दुकान हैं। इनके अलावा रमतेराम रोड पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है। मेरठ तिराहे पर नमो भारत ट्रेन का स्टेशन है। यहां से थोड़ी दूर पर नया बस अड्डा मेट्रो स्टेशन है। दोनों स्टेशन पर इस समय यात्रियों की अच्छी खासी भीड़ रहती है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनने के बाद यात्रियों को लाभ मिलेगा। विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त, मेरठ तिराहे पर नमो भारत स्टेशन के पास पांच मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। इसकी डीपीआर शासन को भेजी जा चुकी है।

मानसून विदाई की ओर, लेकिन राजस्थान में अभी थमेगी नहीं बारिश

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में मानसून का दौर अब धीरे-धीरे थमता नजर आ रहा है। जुलाई में जहां राज्यभर में झमाझम बारिश ने लोगों को राहत दी थी, वहीं अब मौसम का मिजाज बदल गया है। राजस्थान मौसम केंद्र (ढ्ढरूष्ठ) ने आगामी दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है, जिसके अनुसार 11 से 17 सितंबर तक अलग-अलग संभागों में हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है।

पाली समेत कई शहरों में मानसून के शुरुआती दौर में हुई भारी बारिश से हालात बिगड़े थे। कई कॉलोनियों में सड़कें जलमग्न हो गईं और अब तक पानी की निकासी पूरी नहीं हो सकी है। नया गांव क्षेत्र, जगत विहार और सूर्या कॉलोनी जैसे इलाकों में आज भी गंदा पानी जमा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासियों ने नगर परिषद से समाधान की मांग की है। महिलाओं ने जलभराव को लेकर ज्ञापन भी सौंपा। नगर निगम और

स्मार्ट सिटी अधिकारियों ने हालात का जायजा लेकर जल्द समाधान का भरोसा दिलाया, लेकिन स्थायी हल अभी दूर है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। पश्चिमी हवाओं का असर पड़ने से तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इससे मौसम में उमस और गर्मी दोनों का असर बढ़ जाएगा। हालांकि कुछ जिलों में हल्की बारिश की स्थिति बनी रहेगी। 11, 12, 13, 14, 15 और 16 सितंबर को कोटा, उदयपुर, भरतपुर, अजमेर और जयपुर संभागों में छिटपुट बारिश का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने इसके लिए अलर्ट जारी किया है। इन दिनों बारिश ज्यादा नहीं होगी लेकिन कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी लोगों को राहत दे सकती है। 17 सितंबर से दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां फिर से बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग का कहना है कि इस दौरान कई जगहों पर मध्यम से तेज बारिश देखने को मिल सकती है।

नोएडा के अपर आयुक्त का विरोध करने वाले 14 अधिकारी हटाए गए

नोएडा , एजेंसी।
आईएएस अफसर और नोएडा के अपर आयुक्त संदीप भागिया का विरोध करने वाले अधिकतर अधिकारियों को बुधवार को हटा दिया गया। इन अधिकारियों को कम महत्व वाले पदों पर तैनाती दी गई है। विशेष सचिव राज्य कर श्याम नारायण ने बुधवार को इस संबंध में ट्रांसफर ऑर्डर जारी कर दिया। राज्य कर विभाग ने कुल 14 अधिकारियों के ट्रांसफर किए हैं। सहायक आयुक्त वंदना सिंह को सचल दल इकाई गौतमबुद्धनगर से हटाकर हाईकोर्ट प्रयागराज में तैनात किया गया है। शिखा सिंह सहायक आयुक्त सचल दल इकाई पांच गौतमबुद्धनगर से महोबा, रोहित रावत साहयक आयुक्त सचल दल इकाई दो गौतमबुद्धनगर से टैक्स ऑडिट अयोध्या भेजे गए हैं।

प्रियंका सचल दल इकाई गौतमबुद्धनगर से उच्च न्यायालय कार्य के लिए लखनऊ, आलोक कुमार संयुक्त आयुक्त एसआईबी गौतमबुद्धनगर से उच्च न्यायालय कार्य के लिए प्रयागराज, विवेक आर्या अपर आयुक्त ग्रेड दो एसआईबी गौतमबुद्धनगर से मुरादाबाद और ज्योति भौंत कानपुर प्रथम से एसआईबी राज्य कर गौतमबुद्ध्रनगर भेजी गई हैं। सहायक आयुक्त प्रशांत कुमार राय महोबा से सचल दल इकाई गौतमबुद्धनगर, सुरेंदर कुमार टैक्स ऑडिट अयोध्या से सचल दल इकाई-5 गौतमबुद्धनगर भेजे गए हैं। अपर आयुक्त अनिल कुमार द्वितीय प्रतीक्षारत से अपील मथुरा, प्रशांत कुमार अपील मथुरा से एसआईबी कानपुर प्रथम भेजे गए हैं।

सहायक आयुक्त राजीव कुमार खंड-4 कानपुर से सचल दल इकाई तीन गौतमबुद्धनगर, सत्य ब्रत एसआईबी गौतमबुद्धनगर भेजे गए हैं। गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद की महिला अधिकारियों ने 5 अगस्त को मुख्यमंत्री के नाम एक शिकायती पत्र भेजा था। इसमें आईएएस अधिकारी और राज्य कर विभाग के अपर आयुक्त ग्रेड-1 संदीप भागिया पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया। संदीप भागिया के पास गाजियाबाद का भी कार्यभार है। शिकायत के बाद भी अधिकारी की जांच और कार्रवाई नहीं होने से अधिकारियों में नाराजगी है। दूसरी ओर, आरोप लगाने की घटना के बाद गाजियाबाद में तैनात महिला अधिकारी रेणू पांडे और नोएडा की अधिकारी रमा मिश्रा को निलंबित कर दिया गया था।

चीन से सटे इलाके में उठी पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता ने शुरू किया अनशन

लेह, एजेंसी।
एपेक्स बॉडी लेह ने बुधवार को लेह में एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इस दौरान मशहूर पर्यावरणविद् और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग पर 35 दिनों का अनशन शुरू कर दिया है। इससे पहले,क्क्र ने लेह में सर्व धर्म प्रार्थना सभा ??का आयोजन किया, जिसमें सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मौके पर वांगचुक ने कहा कि यह संदेश देने के लिए एक सर्व-धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई कि विरोध शांतिपूर्ण, अहिंसक है और उनकी माँगें भारतीय संविधान के दायरे में हैं।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जलवायु कार्यकर्ता, शिक्षाविद् और 'रेमन मैग्सेसे' पुरस्कार विजेता वांगचुक ने कहा कि उन्होंने बुधवार से एक और अनशन शुरू करने का निर्णय लिया है क्योंकि उनकी मांगों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले दो महीने से कोई बैठक नहीं बुलाई है। वांगचुक ने कहा कि लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और संरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर केंद्र सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है, इसलिए वह अपना प्रदर्शन तेज करने को मजबूर हो रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''करीब दो महीने पहले केंद्र सरकार के साथ बातचीत रुक गई थी। मुख्य मांगों पर चर्चा शुरू होने ही वाली थी, लेकिन सरकार ने आगे कोई बैठक नहीं बुलाई।'' वांगचुक ने कहा कि लेह में 'हिल काउंसिल' के चुनाव जल्द ही होने वाले हैं और उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को याद दिलाया कि पिछले काउंसिल चुनाव में उसने

लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने का वादा किया था। उन्होंने कहा, ''आगामी चुनाव से पहले वादा पूरा किया जाना चाहिए।''

गांधी जयंती एक 'ऐतिहासिक दिन' होगा: वांगचुक ने कहा कि 35 दिन तक अनशन किया जाएगा और उनके इस प्रदर्शन में गांधी जयंती (दो अक्टूबर) एक 'ऐतिहासिक दिन' रहेगा। उन्होंने कहा, ''लेह एपेक्स बॉडी ने यह संदेश देने के लिए एक सर्व-धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की कि हमारा विरोध शांतिपूर्ण, अहिंसक है और हमारी मांगें भारतीय संविधान के दायरे में हैं।'' वांगचुक ने कहा कि सरकारी एजेंसियां ??उन्हें परेशान कर रही हैं और उन्हें आयकर विभाग से नोटिस मिला है। कथित तौर पर विदेशी चंदा स्वीकार किए जाने के मामले में उनके खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जांच भी शुरू की गई है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने मेरे खिलाफ सीबीआई जांच शुरू कर दी है। मैं इसे स्वीकार करता हूं... सीबीआई के अधिकारी आए और कहा कि मैं विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम लाइसेंस के बिना विदेशी चंदा ले रहे हैं... मैं कोई विदेशी चंदा नहीं लेता, हम अपने ज्ञान के लिए सेवा शुल्क लेते हैं।'' उन्होंने कहा कि उनके संस्थान 'हिमालयन इंस्टिट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव लर्निंग' ने अफगानिस्तान में आवास निर्माण के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के साथ घर बनाने की तकनीक साझा की है और इसी तरह की जानकारी कुछ अन्य विदेशी संस्थानों के साथ भी साझा की गई है।

वांगचुक ने कहा कि उन्हें आयकर विभाग से नोटिस मिला है। लद्दाख प्रशासन ने पिछले महीने लेह में एचआईएएल का भूमि आवंटन रद्द कर दिया था। वांगचुक ने कहा, ''वे मेरे खिलाफ जांच के लिए सीबीआई, ईडी भेज सकते हैं लेकिन उन्हें केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और हिल काउंसिल के खिलाफ आरोपों की भी जांच करनी चाहिए। '' जलवायु कार्यकर्ता ने कहा कि उन पर 'देशद्रोह' का आरोप लगाया जा रहा है। वांगचुक ने हैरानी जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने क्या गलत किया है।

उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ''कुछ लोगों के लिए एक कंपनी ही देश बन गई है। पूर्वी लद्दाख में लगभग 48,000 एकड़ ज़मीन सौर ऊर्जा परियोजना के लिए चिह्नित की गई है। यह जमीन फ़िलहाल भारतीय सौर ऊर्जा निगम को दी जा रही है लेकिन कहा जा रहा है कि अंततः इसे किसी निगम को दे दिया जाएगा...।'' वांगचुक ने दुख जताते हुए कहा, ''क्या कंपनी का विरोध करना भारत का विरोध करने के बराबर है? एचआईएएल एक ऐसा संस्थान है जहां छात्रों को कोई शुल्क नहीं देना पड़ता। हम जलवायु परिवर्तन पर अध्ययन कर रहे हैं और वे हमारी ज़मीन वापस लेना चाहते हैं।''

यूपी में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना में सब्सिडी घोटाले पर ऐक्शन, बैंक मैनेजर समेत 6 के खिलाफ केस

फिरोजाबाद , एजेंसी।
यूपी के फिरोजाबाद में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में लाखों रुपये के घोटाले में आखिरकार ऐक्शन हो गया है। इस मामले में यूको बैंक के तत्कालीन प्रबंधक समेत छह के खिलाफ थाना उत्तर में बुधवार को मुकदमा दर्ज हो गया। जिला उपायुक्त उद्योग की शिकायत के बाद जिलाधिकारी ने पूरे मामले में सख्त रुख अपनाया था। मामले की जांच में दोषी पाए जाने पर तहरीर थाने पर सहायक आयुक्त उद्योग ने दी थी।

जनपद में संचालित मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में 20 लाभार्थियों को दी जाने वाली 71 लाख रुपये की सरकारी सब्सिडी का घोटाला कुछ दिन पहले सामने आया था। उपायुक्त उद्योग

संध्या को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने के लिए पत्र जिलाधिकारी रमेश रंजन को लिखा था। एडीएम वित्त एवं राजस्व विशु राजा की अध्यक्षता में जांच कमेटी ने आरोपों को सही पाया था। जांच रिपोर्ट के आधार पर डीएम ने बेरोजगारों को दी जाने वाली सरकारी सब्सिडी में लाखों का घोटाला करने वालों पर मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश उपायुक्त उद्योग को दिए थे।

सहायक आयुक्त उद्योग गणेश चंद्र ने थाना उत्तर में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी थी। इस पर रानी वाला कंपाउंड स्थित यूको बैंक के तत्कालीन प्रबंधक प्रवेंद्र कर्दम, तत्कालीन फील्ड आफीसर धीरेंद्र प्रताप सिंह, बैंक के रिकवरी एजेंट सौरभ गुप्ता, रिकवरी एजेंट का साथी दीपांशु तिवारी, सहयोगी राजेश कुमार और एक अन्य आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। थाना प्रभारी उत्तर संजुल पांडेय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ में 1.25 लाख लोगों को इस माह नहीं मिलेगा फ्री राशन

लखनऊ , एजेंसी।
ईकेवाईसी नहीं कराने वाले लोगों (यूनिटों) को इस माह राशन नहीं मिलेगा। लखनऊ में करीब 1.25 लाख लाभार्थी ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक अपना ईकेवाईसी नहीं कराया है। इस माह इन यूनिटों को उनके हिस्से का पांच किलो राशन नहीं मिलेगा। ऐसे लोगों के नाम भी कोटेदारों के ई-पॉश मशीन पर नहीं दिखा रहे हैं। अब अगर यह लोग अपना ईकेवाईसी करा लेंगे तो अगले माह से इनको भी राशन मिलने लगेगा। राशनकार्ड सत्यापन अभियान के तहत कार्ड में दर्ज प्रत्येक यूनिट का ईकेवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। बीते कई माह से ईकेवाईसी की प्रक्रिया चल रही है। कई बार समयसीमा भी बढ़ाई गई। इसके बाद भी लाखों लोगों ने ईकेवाईसी नहीं कराया। अब शासन ने

ईकेवाईसी नहीं करने वाली यूनिटों का राशन रोक दिया है। इस माह ऐसे लोगों के नाम को वेबसाइट पर हाइड (छुपा देना) कर दिया गया है। इन लोगों का नाम काटा (डिलीट) नहीं किया गया है। ईकेवाईसी कराते ही ऐसे सभी यूनिट स्वतः अपने वर्तमान राशनकार्ड में जुड़ जाएंगी। कोटेदार की ईपॉश मशीन पर भी उसके राशन कार्ड में उसका नाम दिखने लगेगा। अगले माह से उनके हिस्सा का राशन भी मिलने लगेगा।

ईकेवाईसी करा ले अगले माह मिलने लगेगा राशन

डीएसओ विजय प्रताप सिंह ने बताया कि लखनऊ के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के करीब सवा लाख यूनिट ऐसे हैं जिन्होंने ईकेवाईसी नहीं कराया है। इस माह इन यूनिटों का राशन नहीं मिलेगा। ऐसे लोग कोटेदार के पास जाकर अपना ईकेवाईसी करा सकते हैं। ईकेवाईसी के बाद अगले माह उनका राशन भी मिलने लगेगा। पांच वर्ष तक के बच्चों का ईकेवाईसी नहीं कराना है।

बिना मान्यता चल रहे स्कूलों का बड़ा खुलासा, मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। कोतवाली ब्लॉक क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कई विद्यालय केवल कक्षा 8 तक की मान्यता होने के बावजूद अवैध रूप से कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई करा रहे हैं। शिकायतकर्ता तनवीर राणा, ने बताया कि यह शासनादेशों का खुला उल्लंघन है और इससे हजारों छात्र-छात्राओं का भविष्य दांव पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई से बच रहे हैं। शिकायत में जिन विद्यालयों के नाम सामने आए हैं, उनमें प्रमुख-1. जनता बाल विद्यालय, कृत्तो नंगली उर्फ पैरूवाला, 2. एम.क्यू.एम. जूनियर हाईस्कूल, ग्राम रसूलपुर मुजफ्फर, 3. किसान पब्लिक जूनियर हाईस्कूल, ग्राम रसूलपुर मुजफ्फर, 4. एम.ए.यू. पब्लिक स्कूल, ग्राम रसूलपुर मुजफ्फर, बताया जा रहा है कि केवल कोतवाली ब्लॉक क्षेत्र में ही 100 से अधिक विद्यालय बिना मान्यता के उच्च कक्षाएं चला रहे हैं। शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी से मांग की गई है कि उच्च शतरीय जांच कर दोषी विद्यालय संचालकों और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

गलखा देवी मंदिर के मठ गंगा में समाए

✷ **एनसीआर टुडे. चंदक** ✷। जल श्तर में गिरावट होने के बाद गंगा ने किनारे की भूमि का कटान तेज कर दिया है। मंगलवार को प्रसिद्ध गलखा देवी मंदिर परिसर में स्थित मठ गंगा में समा गया। पास में ही स्थित गलखा देवी मंदिर के कटान का भी खतरा पैदा हो गया है। महाभारत कालीन गलखा देवी मंदिर से गंगा की धारा तीस मीटर दूर रह गई है। ऐसे में अफसरों ने मंदिर के आसपास का मुआयना करते हुए कटान रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। गंगा की धारा लगातार बड़े भूभाग का कटान करने में लगी है। पिछले वर्ष गलखा देवी मंदिर के पास गंगा किनारे जियोट्यूब को लगाकर इतिश्री कर दी गई थी। गंगा इस वर्ष मंदिर की उत्तर दिशा से कटान करते हुए मंदिर की ओर बढ़ रही है। परिसर में बने छोटे मठ गंगा में समा गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंगा जिस रफ्तार से मंदिर की ओर बढ़ रही है, इससे कुछ ही समय में मंदिर के भी गंगा में समाने का खतरा है।

शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं ने खोला मोर्चा

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷। नगर में नए स्थान पर शराब की दुकान के विरोध में महिलाओं और भाकियू (टिकैत) के कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर जोरदार प्रदर्शन किया। नगर के झालू-नहटौर रोड पर शराब की दुकान संचालित थी। नगरवासियों के अनुसार कुछ माह पूर्व आबकारी विभाग ने अंग्रेजी शराब व बीयर की दुकान पर छापेमारी कर नकली शराब बरामद की थी, जिसके बाद दुकान को सील कर दिया गया था। बुधवार को नए लाइसेंस धारक ने दुकान को अन्य स्थान पर संचालित करने का प्रयास किया। नए स्थान पर दुकान खोले जाने की खबर मिलते ही आसपास के मोहल्ले की महिलाएं विरोध में एकजुट हो गईं। महिलाओं ने स्पष्ट कहा कि उनके क्षेत्र में शराब की दुकान नहीं खुलने दी जाएगी। विरोध की सूचना मिलते ही भाकियू (टिकैत) के युवा ब्लॉक अध्यक्ष शुभम राणा, नगर अध्यक्ष डॉ. कामेंद्र सिंह और जयपाल सिंह अपने कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और महिलाओं का समर्थन करते हुए धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी। संगठन के नेताओं ने कहा कि सरकार के नियमों के अनुसार किसी भी मंदिर, स्कूल के पास या हाईवे पर शराब की दुकान नहीं खोली जा सकती। इसके बावजूद झालू में नई दुकान मंदिर और हाईवे के पास खोली जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि झालू की अधिकांश शराब की दुकानें स्कूलों के नजदीक और हाईवे किनारे ही संचालित हैं, जिससे आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं। भाकियू ने चेतावनी दी कि यदि जरूरत पड़ी तो संगठन बड़े श्तर पर धरना-प्रदर्शन करेगा। विरोध प्रदर्शन में संगीता, जोनी, कविता, रीता, सोमी, संतोष, राजो सहित अनेक महिलाएं तथा पिंकू, प्रिंस, सचिन, सुनील, वीर सिंह, मीनू, ईशु सहित भाकियू कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मनुष्य चुगली, ईर्ष्या, बुराइयों में समय बर्बाद ना कर, ईश्वर के भजन में लगाए समय : संघर्षी

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। श्री राधा कृष्ण प्रचार समिति की ओर से ग्राम टपरौला में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन कथा व्यास पंडित रविन्द्र भारद्वाज संघर्षी ने कहा संसार का प्रत्येक व्यक्ति जितना वक्त एक दूसरे की चुगली, ईर्ष्या, बुराईयों में खर्च करता है यदि उससे आधा समय भी वह ईश्वर के भजन तथा निजी उत्थान में लगा ले तो उसका परम कल्याण हो जाये। कहा कि जन्म-जन्मांतरों के संगृहीत पुण्यों के फल स्वरूप तथा चौरासी लाख योनी भोगने के बाद ही दुर्लभ मानव शरीर मिलता है। उसमें भी बड़े भाग्य से किसी धर्मी दंपती के यहां जन्म मिलता है। उन्होंने लोगों से धर्म युक्त जीवन जीने की अपील की। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के जन्म व बाल्यकाल की कथा सुनाई। कहा कि जिस स्त्री के मन में किसी के प्रति भी पुत्र भाव नहीं है। उसे ही पूतना कहते हैं। परीक्षित विनोद चौहान व उनकी पत्नी आशा देवी रहीं। मुख्य यजमान लोकेंद्र चौहान, गौरव चौहान कनिष्क चौहान रहे। पूजन पं. अंकित भारद्वाज व रोहित भारद्वाज ने कराया। कथा के विश्राम पर आरती का आयोजन किया गया। मनोरमा, आवेश, नेहा, आवेश रानी, उर्मि, चंपा देवी, सुनीता देवी, कविता देवी, ललिता आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कोचिंग जा रहे छात्र को पीटा

✷ **एनसीआर टुडे. मोदीनगर** ✷। गुरुद्वारा रोड पर कुछ युवकों ने कोचिंग जा रहे छात्र की बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया।

महिला थाने में तैनात दरोगा का कमरे में मिला शव

बिजनौर में सरकारी आवास में बेड पर पड़ा था ,कमरे में मिले शराब के पाउच

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

महिला थाने में तैनात दरोगा का शव उनके सरकारी आवास में मिला। सुबह सब देर तक ऑफिस नहीं पहुंचे तो सिपाही ने उन्हें देखने के लिए गया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था।सिपाही ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर बेड पर दरोगा मृत पड़े थे।

इसके बाद सिपाही ने घटना की जानकारी अधिकारियों को दी। घटना की सूचना पर एसपी सिटी मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया। पुलिस ने दरोगा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।साथ ही परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। घटना शहर के महिला थाने की है।

एसआई चंद्रपाल सिंह (58) मूल रूप से बरेली के रहने वाले थे। 1989 बैच में पुलिस सेवा में चयनित हुए थे। चंद्रपाल इसी साल फरवरी महीने में बिजनौर महिला थाने में तैनात हुए थे। उनकी दो बेटी एक बेटा है। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। एसपी सिटी संजीव बाजपेई ने बताया कि इसी साल जनवरी में चंद्रपाल सिंह की पत्नी की मौत हो गई थी। इसके बाद से वह काफी बीमार भी रहने लगे थे और शराब भी ज्यादा पीने लगे थे। चंद्रपाल थाने में ही एक क्वार्टर में रहते थे। बुधवार को रात की ड्यूटी के बाद वह अपने कमरे पर आ गए थे। उसके बाद सुबह जब 10 बजे तक ऑफिस नहीं पहुंचे तो एक सिपाही देखने के लिए इनके कमरे पर गया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद सिपाही ने दरवाजा किसी तरह खोलकर अंदर घुसा तो चंद्रपाल सिंह अपने बिश्तर पर मृत अवस्था में पड़े थे।

सिपाही ने घटना की जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद मौके पर पहुंचे एसपी अभिषेक झा, एसपी सिटी संजीव वाजपेई और सीओ संग्राम सिंह ने फोरेंसिक टीम को बुलाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसपी ने बताया कि घटना की जानकारी एसआई के परिजनों को दे दी गई है। इनका बेटा बरेली में रहता है। एसपी सिटी ने बताया कि एसआई के कमरे से शराब के कुछ पाउच मिले हैं। पत्नी की मौत के बाद से ही वह शराब का ज्यादा सेवन करने लगे थे। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। परिजनों के आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निकाह से मुकर जाने के छः लोगों के विरूद्ध मुकदमा दर्जकर

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पुलिस ने बहला फुसलाकर 15 वर्षीय छात्रा से संबंध बनाने तथा बाद में निकाह से मुकर जाने के आरोपी सहित छः लोगों के विरूद्ध मुकदमा दर्जकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

छात्रा के पिता ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि लगभग ढाई वर्ष पूर्व वह परिवार सहित चांदपुर में एक शादी समारोह में शिरकत करने गया था। जहां उसकी नाबालिग पुत्री की मुलाकात शादान निवासी मौहल्ला पठानों का इमामबाडा चान्दपुर से हुई। आरोप है कि शादान ने उसे बहला फुसलाकर उसका फोन नम्बर ले लिया तथा दोनों बातें करने लगे।

आरोप है कि शादान ने उसे झांसे में लेकर उसके साथ संबंध बनाए तथा इसकी वीडियो भी बना ली। उसके बाद वीडियो वायरल करने का डर दिखाकर कई बार संबंध बनाए। बताया कि उसकी पुत्री ने डर के कारण उन्हें कुछ नहीं बताया लेकिन शादान के परिजनों से सारी बात बताते हुए निकाह के लिए कहा तो वे उसे टालते रहे।

बताया कि इससे क्षुब्ध होकर वह करीब बीस दिन पूर्व शादान के घर पहुंच गई तथा निकाह के लिए कहा। आरोप है कि शादान व उसके परिजनों ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भगा दिया। प्रार्थना पत्र में आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग की थी।

डीएफओ अभिनव राज के राज में गुलदार का राज

नजीबाबाद तहसील में गुलदार ने एक सप्ताह में तीन को मौत के घाट उतारा

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक का डीएफओ कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। जनपद बिजनौर में खूंखार गुलदार अब तक 33 लोगों को अपना निवाला बना चुका है। जिसमें महिलाएं, पुरुष, बच्चे है शामिल। गुलदार के आतंक से गांव और शहर में दहशत का माहौल है।

नजीबाबाद तहसील के क्षेत्र में एक सप्ताह में तीन की मौत गुलदार से हुई है। भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक ने डीएफओ कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है।

उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर में खूंखार गुलदार से मौतों के लगातार सिलसिले के विरोध में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक ने बिजनौर डीएफओ कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ किया है। किसान अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं। क्योंकि लगातार शिकायत के बावजूद भी वन विभाग कोई ठोस कदम उठाने को तैयार नहीं है। इसलिए किसानों ने डीएफओ ऑफिस पर धरना दिया है और ऑफिस स्टाफ खुद डीएफओ ऑफिस में ताले लटके हुए दिखाई दिए।

समश्त जनपद बिजनौर में खूंखार गुलदार का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। गुलदार लगातार जनपद के बुजुर्ग बच्चों व महिलाओं को अपना निशाना बनाकर मौत के घाट उतार रहा है। वही जनपद का वन विभाग कोई न कोई बहाना बनाकर अपना जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है ।हालांकि वन विभाग ने जो कुछ कार्यवाही भी की है वो भी धरना प्रदर्शन करने के बाद ही की है। इसलिए हर बार किसान यूनियन आगे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं तब जाकर के कोई कार्रवाई होती है। इसके लिए अभी तक कोई ठोस कम नहीं उठाए गए हैं ।

शायद विभाग को और बड़ी घटना का इंतजार है वहीं पूरे जनपद बिजनौर में अब तक गुलदार से होने वाली मौतों का आंकड़ा तीन दर्जन के करीब हो चुका है। भारतीय किसान यूनियन राजनीतिक के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने डीएफओ बिजनौर के कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ करते हुए कहा कि यह धरना गुलदार से मुक्ति मिलने तक जारी रहेगा ।यहां तक कि गुलदार के द्वारा हुई मौतो में कुछ लोगों को तो मुआवजा तक नहीं मिल पाया है। जिनको भी मिला है बड़ी प्रयासों से मिल पाया है।

इसलिए किसानों की मांग है कि डीएफओ बिजनौर से भगाओ और अपनी जान बचाओ।

दो बाईको मे हुई जोरदार टक्कर से एक बाइक डीसीएम में घुसी

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

नहटौर नूरपुर मार्ग स्थित चक मोड़ के पास दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। जिससे एक बाइक अनियंत्रित होकर सामने से आ रही डीसीएम में जा घुसी।

डीसीएम के नीचे आने पर दोनों मुमेरे फुफेरे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डीसीएम चालक डीसीएम को लेकर मौके से फरार हो गया।

प्राप्त समाचार के अनुसार ग्राम नरगदी निवासी उसमान पुत्र मुख्तार अंसारी व उसका मुमेरे भाई अनस पुत्र युसूफ निवासी ठाठ जट थाना स्योहारा के साथ अपनी ससुराल ग्राम नन्हेड़ा से बाइक द्वारा लौट रहे थे।

जब वह नहटौर नूरपुर मार्ग स्थित चक मोड पर पहुंचे तो सामने से आ रहे ग्राम नकीबपुर निवासी हरिराज पुत्र होरी की बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई। जिसके बाद उसमान की बाइक अनियंत्रित होकर सामने से आ रही डीसीएम के नीचे जा घुसी। जिसके नीचे दबकर दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों युवकों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। उधर पुलिस ने अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

एआरटीओ के भ्रमण से स्कूल में लगे वाहन स्वामियों में मचा हड़कंप

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷

नगर स्थित सेंट मैरी स्कूल पर वाहन स्वामीयो में ए.आर. टी. ओ गौरीशंकर

के आने पर मचा हड़कंप।

अफजलगढ नगर स्थित सेंट मैरी स्कूल पर उस समय हड़कंप मच गया जब आई जी आर एस के माध्यम से लगातार अनफिट व खटारा वाहनो के द्वारा बच्चो को ठूस ठूस कर ढोने की शिकायते मिलने पर एआरटीओ बिजनौर गौरीशंकर बृहस्पतिवार को सेंटमैरी स्कूल पर वाहनो पर छापा मारने पहुँचे जिसकी भनक पहले ही वाहन स्वामीयो को लग गयी जिसपर वो अपने अपने वाहन लेकर इधर-उधर छिप गये। जिसपर स्कूल प्रबंधन की भी सांसे फूल गयी स्कूल प्रबंधन ओर पुलिस ने इधर-उधर दौड़ रहे बच्चो को स्कूल कैम्पस मे एकत्र कर बच्चो के अभिभावको सूचना दी।एआरटीओ गौरीशंकर ने बताया की लगातार अनफिट वाहनो की शिकायत मिल रही थी जिसपर स्कूल प्रधानाचार्या को हिदायत दी की कोई भी अनफिट वाहन स्कूल के छात्रो के आवागमन मे उपयोग न हो। ओर अभिभावको से भी आग्रह किया है कि वो अपने बच्चो को एसे खटारा बाहनो में भेजकर बच्चो की जिन्दगी से खिलवाड न करे।

महिलाओं का सप्लाई इंस्पेक्टर और राशन डीलर के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷

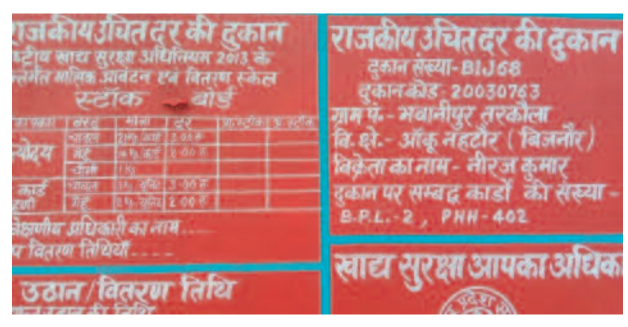

तहसील क्षेत्र के गांव भवानीपुर तरकौला निवासी दर्जन से अधिक पुरुष और महिलाओं ने सप्लाई इंस्पेक्टर के खिलाफ एसडीएम कार्यालय परिवार में धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने राशन डीलर पर अनेक आरोप लगाए, जबकि पूर्ति निरीक्षक पर राशन डीलर से मिलीभगत का आरोप भी लगाया।

धरने पर बैठी महिलाओं का आरोप है कि राशन डीलर उन्हें राशन नहीं देता और अगर देता है तो पांच किलो प्रति यूनियट के वजाए साढे चार किलोग्राम प्रति यूनिट खाद्यान देता है। इतना ही नहीं वह दुकान की वजाय अपने घर से राशन का राशन वितरण करता है।

नहटौर ब्लाक के ग्राम भवानीपुर तरकोला निवासी ववली देवी पत्नी विद्यासागर व नरेश कुमार पुत्र छोटे सिंह जाटव आदि ने बताया कि उन्होंने सरकारी गल्ले की दुकान के सम्बन्ध में एक प्रार्थना पत्र एक सितंबर को एसडीएम को दिया था।

इसके बाद दूसरा प्रार्थना नौ सितम्बर को संपूर्ण समाधान दिवस में दिया था। इसके अलावा पूर्ति इंस्पेक्टर धामपुर से भी शिकायत की, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की। महिलाओ का आरोप है कि इंस्पेक्टर ने कहा कि वहन जी आप लोग घर जाओ में कल दिन मगंलवार को आपके यहां जांच करने आऊंगा, लेकिन वह भी कोई जांच करने गांव नहीं आए।

जब वह इंस्पेक्टर के पास गए, तो उन्हें यह कहकर घर जाने को कहा कि मैं मीटिंग में जा रहा हूँ, हम लोग वहीं पर आफिस के सामने तख्त पर बैठ गए। फिर बहा पर डीलर नीरज कुमार निवासी ग्राम भवानीपुर तरकौलाव चाकरपुर पूर्ति कार्यालय पहुंचा और अधिकारियों से मिला।

दो या तीन घंटे वहां पर रहा। डीलर की अधिकारियों से क्या डीलिंग हुई, हमें नहीं पता, परंतु ऐसा लगता है कि इंस्पेक्टर निष्पक्ष जांच नहीं करेंगे। उन्होंने उपजिलाधिकारी से किसी अन्य सक्षम अधिकारी से सरकारी गल्ले की दुकान की जांच करा कर कार्रवाई करने की मांग की। उधर एसडीएम स्मृति मिश्रा ने जांच कराकर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन देकर धरने को खत्म करा दिया है। उन्होंने कहा कि मामले की जाँच नायब तहसील से कराई जाएगी। जाँच रिपोर्ट मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ शाखा ने एसडीएम के खिलाफ डीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपा

✷ **एनसीआर टुडे. बढ़ापुर/नगीना** ✷

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ शाखा नगीना ने उप जिलाधिकारी नगीना पर लेखपालों से हफ्ता मांगने, दुर्व्यवहार और अपमान किए जाने के साथ ही ब्लैकमेल किए जाने जैसे संगीन आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी बिजनौर को संबोधित एक ज्ञापन तहसीलदार नगीना को देते हुए चेतावनी दी गई यदि उप जिलाधिकारी नगीना को 15 सितंबर तक नहीं हटाया गया तो 16 सितंबर से समश्त कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ शाखा नगीना की ओर से गुरुवार को जिलाधिकारी बिजनौर को संबोधित एक ज्ञापन तहसीलदार नगीना को सोंपा गया जिसमें उपजिलाधिकारी नगीना पर आरोप लगाया गया कि वह मुख्य सचिव के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं।

शासनादेश का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया कि मुख्य सचिव के स्पष्ट आदेश है कि लेखपालों के स्थान पर प्राइवेट सर्वेयर फसलों का सर्वे करेंगे परंतु एसडीएम नगीना लेखपालों की एग्री स्ट्राइक आईडी बनवाने के लिए अनावश्यक दबाव बना रहे हैं। इसके विरोध में उन्होंने एसडीएम नगीना को ज्ञापन देना चाहा तो उन्होंने ज्ञापन लेने से इनकार कर दिया।

लेखपालों में एग्री स्टैक के कार्य में प्रगति भी कराई है इसके बावजूद एसडीएम नगीना दुर्भावना के चलते लेखपालों को व्यक्तिगत फोन कर निलंबन और कार्यवाही किए जाने की धमकी देकर अनावश्यक दबाव बना रहे हैं जिसके चलते लेखपालों में रोष है।

लेखपालों ने यह भी आरोप लगाया कि जब भी उनकी कार्यकारिणी एसडीएम नगीना से मिलने जाती है तो उनके साथ बहुत अभद्र व्यवहार किया जाता है जिसके चलते लेखपाल मानसिक रूप से परेशान है।

ज्ञापन में लेखपालों ने यह भी आरोप लगाया कि एसडीएम नगीना ने हफ्ता वसूली के लिए लेखपालों को अपने चेंबर में बुलाकर गेट बंद कर लिया और पूछा कि महीने में कितना कमा लेते हो, कितनी धारा 80 आती है। कुर्सी और मंदिर की व्यवस्था करो। लेखपालों ने जब इसके लिए मना किया तो उन्हें ब्लैकमेल करने के इरादे से कार्यवाही करने की धमकी दी गई। लेखपालों द्वारा इसके विरोध में कहां गया कि वह ऐसे व्यक्ति के साथ कार्य करने को तैयार नहीं है लेखपाल मानसिक रूप से परेशान है यदि किसी लेखपाल के साथ कोई दुर्घटना होती है तो इसके जिम्मेदार एसडीएम नगीना होंगे तथा चेतावनी दी गई यदि 15 सितंबर तक एसडीम नगीना को यहां से नहीं हटाया गया तो 16 सितंबर से लेखपालों द्वारा समश्त कार्यों का बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा।

विशाल स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

हकीकतपुर गंगवाली गांव में स्व. श्री ओमप्रकाश सिंह प्रधान जी एवं स्व. श्रीमति ओमवती देवी की स्मृति में नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन द्वारा, राजकीय मेडिकल कॉलेज बिजनौर, एम्स ऋषिकेश, एल एल आर एम मेरठ मेडिकल कॉलेज, GIMS ग्रेटर नोएडा, कल्याण सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय बुलन्दशहर के सहयोग से विशाल स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य मेले में हड्डी रोग विभाग, त्वचा रोग विभाग नाक कान एवं गला रोग विभाग, मनोचिकित्सा विभाग, बाल रोग विभाग दंत रोग विभाग, पलमोनरी मेडिसिन विभाग, सामान्य रोग विभाग, कैंसर रोग, एवं आंखों के डॉक्टर उपस्थित रहे। चिकित्सा चिकित्सा मेले में दिल्ली से डॉ. मनीष पांडे, डॉ. विनय कुमार, बिजनौर मेडिकल कॉलेज से प्रधानाचार्य डॉ. उर्मिला कार्यया, डॉ. अलका चौहान, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ प्रीति चौहान, डा. रंजीत सिंह, डॉ निखिल कुमार सक्सेना, डॉ. विपिन कुमार, डॉ. जतिन, ग्रेटर नोएडा से डॉ. निधिश, डॉ. विनय, डॉ. शगुन, कल्याण सिंह गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज बुलंदशहर मेडिकल से डॉ. अभिषेक शर्मा डा. विनोद कुमार सिंह एम्स ऋषिकेश से डॉ. संतोष एवं एल एल आर एम मेडिकल कॉलेज मेरठ से डॉ. अर्पित जैन डॉ. मीनाक्षी व अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। इस स्वास्थ्य मेले का उद्देश्य जिला बिजनौर के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे रागों की जांच कर उनका इलाज करना था।

बिजली घर पर चल रहा किसान यूनियन का धरना विद्युत विभाग के अधिकारियों के आश्वासन पर किया गया समाप्त

भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत ने धरना स्थल पर पहुंचकर दिया समर्थन

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷

नजीबाबाद के रायपुर रोड स्थित विद्युत कार्यालय पर गुरुवार को (भाकियू) प्रधान की अगुवाई में स्मार्ट मीटरों के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। धरने की अध्यक्षता रामोद कुमार ने की जबकि संचालन नरेंद्र सिंह ने किया। किसानों ने साफ चेतावनी दी कि किसी भी हालत में स्मार्ट मीटर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

उनका कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं पर भारी-भरकम बिजली बिलों का बोझ डाला जा रहा है, जिससे किसान और आम जनता दोनों परेशान हैं।

धरना स्थल पर पहुंचे एसडीओ गौरव पाल थर्ड को किसानों ने बंधक बनाकर अपने पास बैठा लिया और मौके पर एक्शन को बुलाने की मांग की। किसानों का कहना था कि जब तक जिम्मेदार अधिकारी सामने नहीं आते, तब तक धरना स्थल पर उनकी रिहाई नहीं होगी।

यूनियन नेताओं ने अपील की कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की जनता अपने घरों पर स्मार्ट मीटर न लगने दे और आंदोलन को मज़बूत बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में शहर वासी धरने में शामिल हुए।

धरना-प्रदर्शन में मंडल प्रभारी दलबीर चौधरी, तहसील अध्यक्ष नीरज चौधरी, महबूब अली चौधरी, भूदेव सिंह, शकील अहमद, मोहम्मद रहीसुद्दीन, शमशाद हुसैन गुर्जर, नगर अध्यक्ष मोहम्मद फैसल, मोहम्मद आमिल, अजीत प्रताप, मोहम्मद फहीम, रईस अहमद, श्रीमती भारती, मोहम्मद शहजाद, मेहताब, राजू सिद्दीकी, गुल मोहम्मद, बेगराज, श्रीमती रजिया सुल्तान, अफसरी, समीना, नसरीन, नूरजहां, समीम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाकियू महात्मा टिकैत से जितेंद्र हुड्डा, शहजाद मलिक, जैकी मलिक, विपिन ठाकुर, सुनील चौधरी भी धरना स्थल पहुंचें। रायपुर रोड स्थित 132 केवी बिजली घर पर किसानों का धरना तीसरे दिन भी स्मार्ट मीटर और बिजली कटौती को लेकर जारी रहा। अंततः देर शाम एक्शन धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों से वार्ता हुई। वार्ता में यह सहमति बनी कि 10 दिन तक शहर या गांव में कोई भी स्मार्ट मीटर नहीं लगाया जाएगा। इसके अलावा, पुराने मीटर और नए स्मार्ट मीटर को एक साथ लगाकर दो उपभोक्ताओं के बिलों की जांच की जाएगी। इन शर्तों पर किसानों ने फिलहाल अपना धरना समाप्त कर दिया।

शिक्षक पर जानलेवा हमला, बदमाशों ने बाइक गिराकर हाथ-पैर तोड़े

✷ **एनसीआर टुडे. चांदपुर** ✷

थाना चांदपुर क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पूर्व भाजपा विधायक कमलेश सैनी के स्कूल में कार्यरत शिक्षक कैशव पर चार बदमाशों ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बदमाशों ने पहले उनकी बाइक को डंडे से मारकर गिराया और फिर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटते हुए उनके हाथ-पैर तोड़ दिए।

शिक्षक कैशव स्कूल से अपने गांव रुकनपुर लौट रहे थे। जैसे ही वह स्कूल से करीब 400 मीटर की दूरी पर पहुंचे, तभी चार बदमाशों ने अचानक हमला बोल दिया। बदमाशों ने कैशव को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। घटना को देखकर मौके से गुजर रहे छात्र भागकर गांव पहुंचे और परिजनों को सूचना दी।

सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल शिक्षक को तुरंत सीएचसी स्याऊ ले गए। डॉक्टर शुऐब ने बताया कि कैशव के शरीर पर 14 जगह चोटें आई हैं। हाथ-पैरों में फ्रैक्चर की आशंका है, जिसके चलते उन्हें एक्स-रे के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घायल शिक्षक के भाई आकाश कुमार ने बताया कि उनके भाई कैशव स्कूल में पढ़ाकर लौट रहे थे। राश्ते में घात लगाए बैठे चार बदमाशों ने उनकी बाइक को डंडा मारकर गिरा दिया और जानलेवा हमला किया।

संपादकीय

प्रतिस्पर्धा और तनाव से घिरे जीवन में आत्म अवलोकन और संतोष का महत्व

(“I am not ok, You are not ok, but We are ok” – सामूहिकता की नई परिभाषा)

भारतीय परंपरा में स्वास्थ्य केवल रोग-मुक्त शरीर तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक अवधारणा है, जिसमें मन, आत्मा और इंद्रियों की प्रसन्नता भी शामिल है। वेदों और उपनिषदों से लेकर आयुर्वेद और योग तक, हर जगह स्वास्थ्य को जीवन का आधार माना गया है। आधुनिक समय में जब जीवन तनाव, प्रतिस्पर्धा और अवसाद से घिरा हुआ है, तब इस सनातन दृष्टि को नए सिरे से समझना और अपनाना और भी आवश्यक हो जाता है।

भोपाल में आरोग्य भारती की व्याख्यानमाला के 11वें वार्षिकोत्सव पर प्रख्यात चिंतक, साहित्यकार और फिल्म निर्देशक डॉ. चन्द्रप्रकाश द्विवेदी (जिन्होंने ऐतिहासिक धारावाहिक “चाणक्य” में अपनी विलक्षण भूमिका से देश में पहचान बनाई) ने अपने उद्बोधन में इन्हीं आयामों पर प्रकाश डाला। उनका वक्तव्य केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जीवन-दर्शन, समाज निर्माण और आत्मिक आनंद की खोज तक फैला।

डॉ. द्विवेदी ने कहा-“विज्ञान यानी विशेष ज्ञान। लेकिन जब इसमें संवेदना जुड़ जाती है, तभी समाज का निर्माण होता है। यह वाक्य केवल चिकित्सा क्षेत्र के लिए ही नहीं, बल्कि हर क्षेत्र में लागू होता है। आज विज्ञान और तकनीक हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं। परंतु यदि इसमें संवेदना का स्पर्श न हो तो यह निष्ठुर हो जाता है। चिकित्सा का पेशा इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। डॉक्टर के पास स्किल होती है, ज्ञान होता है, लेकिन जब तक वह करुणा और सेवा की भावना से नहीं जुड़ता, तब तक उसका कार्य अधूरा है। यही भारतीय संस्कृति का विशेष योगदान है-ज्ञान और संवेदना का समन्वय। आज का जीवन तेज रफ्तार प्रतिस्पर्धा से भरा हुआ है।

हर कोई दूसरों से आगे निकलने की होड़ में है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि “आज तनाव और अशांति का सबसे बड़ा कारण दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना है। हम हमेशा दूसरों को देखकर वैसा बनने की कोशिश करते हैं। यही हमें अंदर से खोखला कर देता है। भगवान बुद्ध ने कहा था“मनुष्य की प्रवृत्ति होती है कि सुख देने वाली स्थिति कभी न बदले। परंतु सुख को स्थायी बनाने का प्रयास ही दुख का कारण है। यह कथन आज के समय में पूरी तरह प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि हम क्षणिक सुख को स्थायी बनाना चाहते हैं। जब यह संभव नहीं होता तो निराशा और अवसाद हमें घेर लेता है। डॉ. द्विवेदी का कहना है कि जीवन को आनंदित बनाने का एक ही मंत्र है-आत्म अवलोकन हमें दूसरों से तुलना करने की बजाय स्वयं को जैसा है वैसा स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा-“हर बार जीवन में सफल होना जरूरी नहीं। असफलता भी जीवन का हिस्सा है। अनचाहा होता रहता है और मनचाहा होता नहीं, यही दुख का बड़ा कारण है। लेकिन यदि हम आत्म स्वीकृति की भावना विकसित करें तो जीवन सहज और आनंदित हो जाएगा। यही आत्म अवलोकन हमें आत्म-संतोष देता है। भारतीय दर्शन का यह मूलमंत्र है कि सुख और शांति बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि भीतर से प्राप्त होते हैं। डॉ. द्विवेदी ने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख किया ‘मुझे उतना ही मिले जितनी मुझे आवश्यकता है’। आज उपभोक्तावाद के युग में यह विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। समाज हमें अधिक से अधिक पाने के लिए उकसाता है। विज्ञापन हमें यह समझाने की कोशिश करते हैं कि जब तक हमारे पास नवीनतम वशतुएं नहीं हैं, तब तक जीवन अधूरा है। लेकिन गांधीजी की यह सीख हमें सिखाती है कि आवश्यकता से अधिक पाने की इच्छा ही असंतोष और दुख का कारण है। अपने उद्बोधन में डॉ. द्विवेदी ने एक नया दृष्टिकोण प्रशतुत किया-“I am not ok, You are not ok, but We are ok.”

इसका अर्थ है कि व्यक्तिगत रूप से हर किसी में कमियाँ हो सकती हैं, लेकिन सामूहिक रूप से जब हम एक-दूसरे को स्वीकार करते हैं और सहयोग करते हैं तो समाज संतुलित और आनंदित बन जाता है।

भारतीय सनातन संस्कृति का विचार है कि आत्मा और मन को आनंदित रखना ही सच्चा स्वास्थ्य है। केवल शरीर की तंदुरुशती ही पर्याप्त नहीं है। यदि मन तनावग्रशत है, आत्मा दुखी है तो शरीर के स्वस्थ रहने का कोई महत्व नहीं। इसी दृष्टि से योग, ध्यान और प्राणायाम को जीवन का अंग बनाया गया है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि आनंदित रहने का सबसे सरल उपाय आत्म अवलोकन और आत्म स्वीकृति है। जब हम अपनी सीमाओं को स्वीकार कर लेते हैं, तब हमारे भीतर संतुलन और शांति आती है। यही शांति समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार बनती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूज्य श्रीमद् जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य जी महाराज ने भी कहा कि “अच्छे राष्ट्र की रचना तभी संभव है जब हम राष्ट्र को आरोग्य बनाएंगे। यह कथन गहरी सच्चाई को व्यक्त करता है। एक अस्वस्थ समाज कभी महान राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकता। आहार, विहार और व्यवहार की शुद्धता से ही व्यक्ति स्वस्थ बनेगा और स्वस्थ व्यक्ति ही राष्ट्र की शक्ति बनता है। डॉ. चन्द्रप्रकाश द्विवेदी का उद्बोधन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि आधुनिक जीवन की जटिलताओं से मुक्ति का मार्ग बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक है। आत्म अवलोकन, आत्म स्वीकृति, संतुलित आहार और सकारात्मक सोच ही आनंदमय जीवन का मंत्र है।

आज जब जीवन भाग-दौड़ और प्रतिस्पर्धा से भरा हुआ है, तब भारतीय संस्कृति का यह संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि सुख का स्त्रोत बाहर नहीं, भीतर है। आवश्यकता से अधिक पाने की इच्छा दुख का कारण है। और आत्म अवलोकन ही हमें आनंद और शांति प्रदान करता है। यही सनातन दृष्टि है, यही गांधीजी का मंत्र है और यही आज के युग का सबसे बड़ा स्वास्थ्य-दर्शन भी।

जेन-जी का दीवाल पर दो टूक मैसेज- बेवकूफ बनाना बंद करो!

शकील अख्तर

भारत के लिए नेपाल का घटनाक्रम बहुत बड़ा खतरा है। किसी और देश श्रीलंका, बांग्लादेश के साथ हमारी उतनी समानता नहीं है जितनी नेपाल के साथ। सब की यही दुआ प्रार्थना है कि हमारे यहां ऐसा हिंसक आन्दोलन कभी न हो। भारत के लोकतंत्र ने हमेशा इस तरह की आशंका को फेल किया है।

मगर वह तब था जब लोकतंत्र वाश्तविक अर्थों में था। चुनाव के जरिए परिवर्तन हो सकता था। होता था। लेकिन अब चुनाव की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़ा हो गया है। ... अभी तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा कि चुनाव आयोग संदेह के घेरे में है।

नेपाल के आन्दोलनकारी युवाओं ने अपने फेसबुक पेजों पर लिखा है कि हम आखिरी पीढ़ी हैं जिसे आपने बेवकूफ बना लिया। और यही बात नेपाल के आंदोलन, घटनाओं का सार है। यों बहुत सारे विश्लेषण हुए हैं और होते रहेंगे। मगर जो असली बात है वह यह है कि युवाओं के सब्र का बांध टूटने का समय आ गया है। इसे ऐसे समझिए कि युवा के पास समय कम होता जा रहा है। अच्छी और सश्ती शिक्षा और नौकरी दोनों की उम्मीद दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही। युवा अवस्था बीत जाएगी फिर क्या? नौकरी की उम्र खत्म। ओवर एज जो गाली की तरह हो गया है उसे लगातार सुनने का डर! समाज शास्त्र में मनोविज्ञान में एक हैप्पीनेस फार्मूला होता है। इसमें बताया जाता है कि खुशी का जो सबसे बड़ा दौर होता है वह युवा अवस्था में ही होता है।

20 साल की उम्र उसका सर्वोच्च पाइंट माना गया है। टीनएज से निकलते ही। ग्रेजुएशन पूरा हो जाता है। या कोई प्रोफेशनल कोर्स है तो वह पूरा होने वाला होता है। करियर के सपने उन्हें पूरा करने की तैयारियों का दौर।

गर करियर, नौकरी, संभावनाएं सब खत्म हो जाए तो फिर गुस्सा है। अंदर ही अंदर खौलता आक्रोश है।

जनरेशन जी जिसे कहा जा रहा है वह अब अशितत्व की लड़ाई लड़ रही है। उसी का आन्दोलन है। 16 - 18 साल से लेकर 28 साल तक की उम्र के चेहरे दिखलाई दिए है।

गौर कीजिएगा उन्हीं देशों में हो रहा है जहां सरकारें काम नहीं केवल बातें कर रही हैं। झूठे वादे, घोषणाएं, राष्ट्रवाद, युवाओं को केवल कर्तव्य याद दिलाने के काम हो रहे हैं। नेपाल, बांग्ला देश, श्रीलंका, अफगानिश्तान कहीं काम नहीं था। हुआ चीन में भी। बहुत भारी दमन हुआ। थ्येनमन चौक। मगर फिर काम दिया।

नेपाल में कारण बहुत सारे हैं। एक तात्कालिक कारण सोशल मीडिया को बहुत हाईलाइट किया जा रहा है। धारणा इसी को कहते हैं। नरेटिव। सिस्टम को सूट करता है। अगर सोशल मीडिया बेन करना था तो वह तो फिर खोलना बहुत आसान था। खोल भी दिया था। सोमवार 8 सितम्बर को ही। जहां से हमने पढ़ कर लिखा है अब अगली पीढ़ी को हम बेवकूफ नहीं बनाने देंगे।

मगर उसके बाद लडके मंगलवार 9 सितम्बर को संसद में घुसे। आग लगाई। एक पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी को जिन्दा जला दिया। वर्तमान प्रधानमंत्री ओली का घर घेर लिया। हैलिकाप्टर से किसी तरह जान बचाकर निकले। सबसे घटना प्रधान दिन सोशल मीडिया से बेन हटाने के बाद ही हुआ। युवा का अंधकारमय भविष्य मुख्य कारण है। जैसा कि हमने बताया कि खुशी, उंमग के जो सबसे अच्छे दिन होते हैं 18 साल से शुरू होकर 24 -25 साल तक के वह सबसे अनिश्चितता के दिन बन गए। वह निश्चित और सुरक्षित भविष्य चाहता है। जिसकी दूर दूर तक कोई संभावना नजर नहीं आती। आक्रोश वहीं से फूटता है।

भारत के लिए नेपाल का घटनाक्रम बहुत बड़ा खतरा है। किसी और देश श्रीलंका, बांग्लादेश के साथ हमारी उतनी समानता नहीं है जितनी नेपाल के साथ। सब की यही दुआ प्रार्थना है कि हमारे यहां ऐसा हिंसक आन्दोलन कभी न हो। भारत के लोकतंत्र ने हमेशा इस तरह की आशंका को फेल किया है। मगर वह तब था जब लोकतंत्र वाश्तविक अर्थों में था। चुनाव के जरिए परिवर्तन हो सकता था। होता था। लेकिन अब चुनाव की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़ा हो गया है। क्या चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र हो रहे हैं? यह सवाल हर तरफ है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के एक लोकसभा क्षेत्र सेन्ट्रल बंगलुरू की एक विधानसभा महादेवपुरा के आंकड़ें सामने रखकर बता दिया कि वोट चोरी किस तरह हो रही है। कह रहे हैं कि इससे भी बड़ा सबूत उनके पास है जिसे वे जल्दी ही उजागर करने वाले हैं। बिहार में जिस तरह विषेश गहन पुनरीक्षण के नाम पर वोट काटे गए हैं उसने चुनावों की विश्वसनीयता पर और ज्यादा सवाल खड़े कर दिए हैं। चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट का आदेश मानने तक को तैयार नहीं है कि आधार को वोट बनाने के लिए एक दश्तावेज मानो।

यह सब अच्छे संकेत नहीं हैं। हिंसा हमारे यहां कभी भी आन्दोलन का रूप नहीं रही। इसीलिए बार बार गांधी का नाम लिया जाता है। मगर पिछले 11 सालों में गांधी की अहिंसा पर ही सवाल किए जाने लगे। नाथुराम गोडसे का खुले आम समर्थन किया जाने लगा। हत्या को वध कहा जाने लगा। मारे जाने के कारण बताए जाने लगे। जिसका मतलब होता है ह्त्या को जस्टिफाई करना। वध का मतलब भी यही होता है सही ठहराना। शायद अब समझ में आ जाए कि गांधी की अहिंसा क्यों जरूरी है? अहिसंक आन्दोलन कमजोरी नहीं होता बल्कि ज्यादा ताकत की मांग करता है। आत्मिक ताकत। लोकतंत्र की सबसे बड़ी जरूरत। उन्हें आंदोलनजीवी कहकर मजाक उड़ाने के गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं। इसी तरह चुनाव पर विश्वास उठने के भी।

देश में पहला सत्ता परिवर्तन 1977 में हुआ था। जिन इन्दिरा गांधी को तानाशाह कहते नहीं थकते, हर साल इमरजेन्सी की याद करके उन्हें कोसते हैं उन्होंने आराम से सत्ता सौंप दी थी। दूसरी बार 1989 में राजीव गांधी ने। दोनों बार 1977 और 1989 में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी तरीके से करवाए। और सत्ता हश्तातंरण भी शांति के साथ। खिलाड़ी भावना से।

क्या आज देश में पहली बात कोई चुनाव उतने स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हो जाने की गारंटी देने को तैयार है? अभी तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा कि चुनाव आयोग संदेह के घेरे में है। दूसरी बात सत्ता हश्तातंरण की। जब सत्ता पक्ष दस साल बीस साल पचास साल सरकार में रहने की बात कर रहा हो तो क्या कोई सोच सकता है कि यह आसानी से सत्ता छोड़ेंगे! राहुल गांधी ने अभी अपनी सफल बिहार यात्रा में बड़ा सवाल उठाया कि अमित शाह कहते हैं 40 - 50 साल सत्ता में रहेंगे। उन्हें कैसे मालूम। कोई कैसे कह सकता है? राहुल ने इसका जवाब दिया वोट चोरी से।

यह वोट चोरी बड़ा सवाल बन गया है। नेपाल में भी यही गूंजा। वहां की हालत भी बिल्कुल ऐसी ही है। बड़ी बड़ी बातें। काम कुछ नहीं। दूसरों को भ्रष्टाचारी कहना और खुद पूरी सरकार पर आरोप ही आरोप। मगर हम तो दूध के धुले हैं। देश में अच्छी शिक्षा नहीं, सरकारी शिक्षा बंद प्राइवेट महंगी। सारे अच्छे विश्वविध्यालयों को बदनाम करना। और अपने बच्चों को विदेशों में पढ़ाना। भाजपा के बड़े नेताओं के बच्चे विदेशों में पढ़ते हैं यहां कहते हैं कि शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी नहीं हिन्दी और संस्कृत होना चाहिए। मध्य प्रदेश में मेडिकल की शिक्षा हिन्दी माध्यम से शुरू कर दी। इसी प्रचार के लिए। करोड़ों रुपए खर्च किए। एक बच्चा नहीं पढ़ा।

एक और बड़ी समस्या। जो भारत में सबसे ज्यादा है। गोदी मीडिया की। मोदी सरकार की हर बात सही ठहराने में लग जाती है। यहां तक कि मोदी के युवाओं को पकौड़े तलने की सलाह को भी। और साथ में नाले की गैस से चाय बनाकर डबल मुनाफा कमाने की स्कीम को भी। नेपाल में वहां के सबसे बड़े अख़बार कांतिपुर के दफ्तर में आग लगा दी गई। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। मगर उसी में लेख लिखकर प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली बताते थे कि नेपाल कैसे तरक्की कर रहा है और युवा कैसे उनके साथ हैं।

हमारे यहां भी मीडिया यही करता है। मीडिया एक माध्यम होता है युवा की इच्छाओं, आकांक्षाओं को स्वर देने का। यहां 11 साल से युवाओं को केवल कर्तव्य का पाठ पढ़ाया जा रहा है। शिक्षा रोजगार पर कोई चर्चा नहीं। नेहरू पर आरोप लगते हैं। हिन्दू मुसलमान होता है। सब वह सवाल उठते हैं जिससे युवा को भ्रमित किया जा सके। मगर जैसा कि हमने शुरू में लिखा कि आज का युवा कहने लगा है। जेन जी कि हमसे बाद आने वाली जनरेशन को भ्रमित नहीं करने देंगे। हमें बना लिया बेवकूफ! बस अब और नहीं ! और लास्ट कि परिवर्तन में कोई बुराई नहीं। मगर परिवर्तन के माध्यम लोकतंत्र चुनाव को खराब मत करो। युवा का विश्वास चुनाव पर रहने दो।

इसलिए आन्दोलनजीवी शब्द को वापस लो। नए नए नामाकरण युवा के मन में प्रतिक्रिया पैदा करते हैं। युवाओं के बारे में आईटी सेल से नहीं समाजशाश्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षकों और खुद उनसे पूछो। सरकारें आएंगी, जाएंगी। 50 साल और सौ सालों की बातें मत करो।

दक्षिण एशिया में केवल भारत बचा है। यहां के लोकतंत्र, असली लोकतंत्र, केवल बातों वाला नहीं के दम पर। युवा को विश्वास होना चाहिए कि अगर परिवर्तन चाहता है तो किसी हिंसक आंदोलन की जरूरत नहीं चुनाव से हो जाएगा।

नरेंद्र मोदी का साधना से शिखर तक का सफर

श्याम जाजू

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सामाजिक और राजनीतिक जीवन का सफर बहुत लम्बा है। अलग-अलग परिवेश में विभिन्न भूमिकाओं का निर्वहन करते हुए उनकी सोच, व्यवहार, निर्णय-क्षमता और देशभक्ति स्पष्ट रूप से झलकती है। एक ही व्यक्ति के समय-समय पर प्रकट हुए अनुभवों से उसकी विशिष्टता प्रकट होती है।

1990 से 2000 के कार्यकाल में दूर से देखना उनके बारे में सुनना, पढ़ना और 2000 के बाद से अनेक प्रसंगों में नजदीक से देखने का अवसर व साहचर्य मुझे प्राप्त हुआ, जब वो गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल रहे थे, मैं अपने परिवार के साथ गिर-जंगल का भ्रमण करने गया था। वापसी में बचे हुए समय का सदुपयोग करने के लिए मैंने उनसे मिलने का समय मांगा और मुझे समय भी मिला।

मिलकर निकलने के समय उनके साथ फोटो खिंचवाने की इच्छा व्यक्त करें या ना करें, ऐसी झिझक देखकर खुद ही अपनी कुर्सी से उठकर उन्होंने कहा तुझे नहीं, पर बेटे संदेश को फेसबुक पर तस्वीर डलनी होगी।

चलो फोटो खिंचवा लो। उस समय सोशल मीडिया का इतना बोलबाला नहीं था तब से इस विषय को लेकर वो बहुत जागरूक थे और प्रोत्साहित भी करते थे। आज समाज जीवन में सोशल मीडिया अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। सेल्फी, डिजिटल सभाएं, फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे अनेक माध्यमों को राजनीति में परिचित कराने का श्रेय मोदी जी को जाता है।

मोदी जी के शपथ समारोह गुजरात में मुख्यमंत्री का हो या दिल्ली में प्रधानमंत्री का हो, परिवारजनों व रिशतेदारों को आरक्षित आसन व्यवस्था का प्रावधान उन्होंने बंद किया। घर-परिवार का एक भी सदस्य विशेष व्यवस्था से उस समारोह में नहीं आता है, न बुलाया जाता है। खुद के बारे में इतनी कठोरता का पालन वो करते हैं।

उत्तराखंड में बाबा केदारनाथ का आशीर्वाद लेने के लिए जब-जब मोदी जी गये हैं तब-तब वहां अभिषेक दर्शन के लिए आमजन के लिए जो सहयोग राशि रसीद के माध्यम से जमा होती है, प्रधानमंत्री होते हुए पहले अपनी रसीद कटवाकर ही मंदिर में वो प्रवेश करते हैं। उनका यह व्यवहार मैंने नजदीक से उत्तराखंड का प्रभारी होते हुए देखा है।

प्रशासनिक विषयों में सख्त व सामाजिक जीवन में कठोर व्यक्तित्व के धनी मोदी जी को बाबा केदारनाथ जी की परिक्रमा लगाते हुए और पवित्र तीर्थाटन के समय उनकी भाव विभोर भंगिमा का रूप मैंने अनुभव किया है। जब वो गुजरात में मुख्यमंत्री के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे तब तीन चुनाव में सक्रियता करने का मुझे मौका मिला।

जब भी उनकी भेंट होती थी बैठकों में, सभाओं में सानिध्य मिलता था तब वो सबसे पहले गुजरात में कोई अव्यवस्था तो नहीं है? सब ठीक है ना? ऐसी बातों से संवाद शुरू होता था। अपने अनुयायी व कार्यकर्ताओं की इतनी बारीकी से पूछताछ करना यह उनका स्वभाव रहा है। खुद का पद या ओहदा कितना भी बड़ा हो वो सहयोगियों की विशेष चिंता करते हैं, ध्यान देते हैं। कोरोना काल में देश भर के पुराने व वयोवृद्ध कार्यकर्ताओं से उनका हालचाल पूछकर मोदी जी का जो स्वभाव प्रकट हुआ पूरे देश के सामने है।

वर्तमान केन्द्रीय मंत्री व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल जी का पहला शपथ समारोह चंडीगढ़ में हो रहा था। मैं राष्ट्रीय पदाधिकारी के नाते उस समय महामंत्री श्री विजय गोयल जी के साथ पहुंचा था। राश्ते में दो मिनट की देरी होने से अपेक्षित मंच पर जाने के राश्ते में प्रधानमंत्री की सुरक्षा के अधिकारियों ने हमें रोक दिया।

हमारी उनसे बहस चल रही थी इतने में हमें क्रॉस करते हुए मोदी जी का काफिला आगे बढ़ा। मंच पर सीढ़ी चढ़ने के पहले मोदी जी ने वहां पर खडे राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री सुधांशु त्रिवेदी जी को हमें लेने को भेजा। आपस में कुछ भी वार्तालाप न होते हुये भी असुविधा देखकर वो इतनी बारीकी से कार्यकर्ताओं का ध्यान रखते हैं। यह इस घटना से सिद्ध होता है।

अपनी स्वर्गीय माता हीरा बेन का निधन होने पर पूरे देश के कार्यकर्ताओं को सांत्वना हेतु एक भी कार्यक्रम न करने का निर्देश देकर अंतिम संस्कार कर तुरंत देश के काम में लगने वाले मोदी जी ने अलग ही मिसाल पेश की है।

परिवार के एक भी सदस्य को या रिश्तेदारों को अपने कद व ओहदे का थोड़ा भी फायदा न देते हुए राजनीति में अलग ही उदाहरण उन्होंने पेश किया है। आज भी उनके भाई व उनके परिवार मोदी जी प्रधानमंत्री बनने के पूर्व जिस प्रकार से जीवन यापन करते थे उसी अवस्था में देखे जाते हैं।

वर्तमान में देश का सर्वाधिक लोगों का पर्यटन व आकर्षण का केन्द्र बना गुजरात का सरदार बल्लवभाई पटेल का स्टच्यू ऑफ यूनिटी का महत्वकांक्षी उपक्रम समाज के सहभागिता से खड़ा करना, पूरे देश का अंतरभाव उसमें लेना और देश भक्ति का पर्यटन शुरू कराना, ऐसे अनेक प्रकल्प और निर्णयों में उनके दूरदर्शिता का दर्शन होता है।

भारतीय जनता पार्टी के संगठन मंत्री जो अविवाहित प्रचारक होते हैं, उन्हें प्रधानमंत्री निवास पर बैठक हेतु बुलाकर विदाई में कुर्ता-पायजामा का परिवेश भेंट देने में वो भूलते नहीं है। मैं भी एक समय का संगठन मंत्री आपके ही टीम का पार्ट हूं और प्रधानमंत्री के दायित्व का निर्वहन कर रहा हूं यह व्यक्त करने में वो चूकते नहीं है।

अपने साथ काम करने वाले जिसकी परवरिश खुद ने की ऐसा नेपाली बच्चा जित बहादुर थापा को नेपाल में परिवार वालों से मिला देना, कोई भी प्रोजेक्ट उद्घाटन के समय वो खड़ा करने वाले पसीने से मेहनत करने वाले मजदूरों को सम्मानित करना, सामान्य से सामान्य आदमी को स्वास्थ्य बीमा, बैंक अकाउंट, मुफ्त राशन, मुफ्त आवास, नल से जल, विद्युत कनेक्शन, गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना यह सोच अपने आप नहीं आती उसमें संवेदनशीलता व तपस्या लगती है।

चिलचिलाती ठंड में भी बाबा विश्वनाथ कॉरिडॉर के उद्घाटन अवसर पर अभिषेक हेतु गंगाजी में डुबकी लगाने वाले, दीपावली के दिन बॉर्डर पर जाकर जवानों के साथ दीवाली मनाने वाले, लाल किले की प्राचीर से लौटते समय जनता जनार्दन व छोटे बच्चों के साथ घुल-मिल जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हमारे देश की विरासत, प्रथा, परंपरा व विशेषताओं का ध्यान रखते हुए प्रतिनिधित्व करने वाले, हर महीने मन की बात करते हुये करोड़ों लोगों को डायरेक्ट कनेक्ट करने वाले ऐसे विविधताओं से भरा पूरा विलक्षण नेता आज देश का नेतृत्व कर रहा है।

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ एक सहयोगी के रूप में काम करने का अवसर मुझे मिला, यह बहुत भाग्य की बात है। इसका एहसास मुझे बार-बार होता रहता है। मोदी जी के भावी जीवन हेतु जीवेत शरदः शतम् ऐसी शुभकामनायें देते हुए शब्दांजलि पूर्ण करता हूं।

(लेखक, भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं)

पंजाब : बाढ़ के समय बांध से पानी छोड़ा जाना काल बन गया

राज कुमार सिन्हा

भारत में बांधों को सिंचाई, बिजली और बाढ़ नियंत्रण का जरिया माना जाता है, लेकिन हालिया अनुभवों ने उनकी सीमाएँ उजागर कर दी हैं। हिमाचल और जम्मू-कश्मीर की बारिश से भाखड़ा, पौंग और रंजीत सागर बांधों से छोड़े गए पानी ने पंजाब को डुबो दिया। गलत संचालन और अनियोजित विकास ने बाढ़ आपदा को और गहरा कर दिया है।

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बांध निर्माण करने वाला देश है, जिसमें 6000 से अधिक पूर्ण बड़े बांध हैं जो सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, जलविद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और मछली उत्पादन सहित कई उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बांधों पर अत्यधिक निर्भर करता है। अध्ययनों से पता चलता है कि बांधों ने भारतीय नदी घाटियों में बाढ़ को कम भी किया और शुरू भी किया है। लेकिन वर्तमान और भविष्य की जलवायु परिवर्तन के दौर में बाढ़ को कम करने में बांध कितना प्रभावी होगा यह संदिग्ध है।

हर बांध निचले इलाकों में बाढ़ को कुछ हद तक कम करने में मददगार साबित हो सकता है। यह तभी संभव है जब बांध का संचालन इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया जाए। हालांकि, जब बांध का संचालन इस उद्देश्य से नहीं किया जाता और पानी उपलब्ध होते ही उसे भर दिया जाता है, तो वही बांध निचले इलाकों में बाढ़ की ऐसी आपदा ला सकता है जिससे बचा जा सकता है।

हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी मानसूनी बारिश ने रावी, सतलुज और ब्यास नदियों के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में पानी का सैलाब ला दिया। परिणामस्वरूप, रंजीत सागर, भाखड़ा और पोंग बांधों से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया, जिसने पंजाब के मैदानों को जलमग्न कर दिया।

इन नदियों में आए उफान ने पंजाब के गुरदासपुर, अमृतसर, पठानकोट, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, कपूरथला और अन्य जिलों में तबाही मचाई। भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर बांधों का अगश्त-सितंबर 2025 के दौरान संचालन के विश्लेषण से पता चलता है कि गलत संचालन और इन बांधों से कम जल विद्युत उत्पादन ने पंजाब में बाढ़ आपदा को और गंभीर बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

2025 के दक्षिण-पश्चिमी मानसून के दौरान पंजाब में एक बार फिर यही हुआ है। ऐसा पहले भी कई बार हो चुका है, उदाहरण के लिए 1978, 1988 और 2023 में।

साऊथ एशिया नेटवर्क ऑन डेम, रिवर एंड पीपुल्स के प्रमुख हिमांशु ठक्कर के विश्लेषण अनुसार 1 अगशत तक, भाखड़ा बांध पहले से ही 53% भरा हुआ था। 19 अगश्त तक बांध में जल शतर पहले से ही 1666 फीट पर था, जो पूर्ण जलाशय शतर (एफआरएल) से सिर्फ 14 फीट दूर था और बांध पहले से ही 80% भर गया था। 3 सितम्बर की शाम तक 1678.45 फीट (बांध 93% भरा हुआ) तक पहुंच गया।

1 अगश्त तक, पौंग बांध 60% से ज्यादा भर चुका था और 18 अगश्त तक 85% भर गया था। पौंग बांध के गेट 3 अगश्त को या उसके बाद खोले जा सकते थे, जब बांध में जल शतर 1365 फीट को पार कर गया था। अंततः, 29 अगश्त से 1 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ना पड़ा, जिससे हिमाचल प्रदेश और पंजाब के निचले इलाकों में भारी बाढ़ आ गई, क्योंकि तब तक 26 अगश्त को जल शतर 1393 फीट को पार कर चुका था, जो कि पूर्ण जलाशय जल शतर 1390 फीट से अधिक था।

इस प्रकार पौंग बांध पंजाब में बाढ़ लेकर आया, जबकि पंजाब में भारी वर्षा हो रही थी। पंजाब में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां मरने वालों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है। 1, 948 गांव जलमग्न हैं, जिससे 3.84 लाख लोग प्रभावित हैं।

इनमें से 21, 929 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि 1.72 लाख हेक्टेयर (4.32 लाख एकड़) की फसलें नष्ट हो गई हैं। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966) की धाराएं (78, 79) गैर- रिपेरियन राज्यों जैसे हरियाणा और राजस्थान को भी पानी का हिस्सा देती हैं, जिससे भाखड़ा और पोंग बांधों में पानी पहले से ही जमा रहता है।

इस वजह से ये बांध भारी बारिश आने पर फिर संतुलन खो देते हैं। पंजाब के सिंचाई मंत्री ने 24 अगश्त से रंजीत सागर बांध के संचालन के बारे में कहा कि “जो हुआ वह बिल्कुल अप्रत्याशित था।

किसी ने सोचा भी नहीं था कि यह ऐसा होगा। सारे आकलन उलट गए, हिमाचल की ऊपरी नदियों के साथ-साथ पठानकोट की ओर से भी पानी आ रहा था।

इसलिए, जब ऊपरी इलाकों से बाढ़ का पानी नीचे आया, तो बांध से कम पानी छोड़े जाने पर भी, नीचे की ओर का सब कुछ वैसे भी डूब जाता। इसके अलावा, अगर बांध को कोई खतरा है, तो पानी छोड़ना ही होगा। बांध को खतरे में नहीं डाला जा सकता। ”

यह पंजाब सरकार की स्पष्ट स्वीकारोक्ति है कि उन्होंने हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों और पंजाब के पठानकोट में पहले से हो रही बारिश को ध्यान में नहीं रखा, जिसके कारण 27 अगश्त को अचानक बांध के गेट खोलने पड़े, जिससे पंजाब में बड़ी बाढ़ आपदा आई।

तकनीकी समिति के सभी सदस्य, जिनमें केंद्रीय जल आयोग और संबंधित राज्य पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश (कभी-कभी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और पंजाब कृषि विभाग के व्यक्ति भी आमंत्रित किए जाते हैं) शामिल हैं, जो भाखड़ा और पौंग बांधों से पानी छोड़ने के बारे में निर्णय ले रहे थे, स्पष्ट रूप से भाखड़ा और पौंग बांधों के संचालन के लिए जिम्मेदार हैं। ये स्पष्ट है कि भारतीय मानसून असमान और अप्रत्याशित होता है। बांध प्रबंधन को यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कब पानी रोककर रखना है और कब छोड़ना है।

गलत अनुमान बाढ़ का खतरा बढ़ा देता है। अगर मानसून की शुरुआत में जलाशय को पहले से लगभग भर दिया जाए, तो अचानक भारी बारिश के समय पानी रोकने की क्षमता नहीं बचती और ज़बरदश्ती बड़ी मात्रा में पानी छोड़ना पड़ता है, जिससे नीचे के इलाकों में बाढ़ और भी बढ़ जाती है। जब कई बांध एक ही नदी प्रणाली पर हों (जैसे सतलुज-ब्यास-रावी में), तो उनके संचालन में बेहतर तालमेल की ज़रूरत होती है।

अक्सर यह समन्वय ठीक से नहीं हो पाता है। जहां - जहां बांध के दरवाजे खोले जा रहे हैं या फिर ज्यादा पानी जमा करने के लालच में खोले नहीं जा रहे, वहां - वहां पानी बश्तियों में घुस रहा है।

इससे हुई संपत्ति का नुक़सान और लोगों की मौत का आकलन करें तो पाएंगे कि बांध महंगा सौदा साबित हो रहा है। एशियाई विकास बैंक के अनुसार भारत में प्राकृतिक आपदाओं में बाढ़ सबसे ज्यादा कहर बरपाती है। देश में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल नुकसान का 50 प्रतिशत केवल बाढ़ से होता है। मौजूदा हालात में बाढ़ महज़ एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है, बल्कि मानवजनित साधनों की त्रासदी बन गई है।

पंजाब में अचानक आई बाढ़ का मुख्य कारण हिमाचल प्रदेश और पंजाब दोनों में अनियोजित आर्थिक विकास है। आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई इस वृद्धि ने पहाड़ी और मैदानी इलाकों में अंधाधुंध वनों की कटाई, नदियों पर बड़े बांधों का निर्माण, नदी तल, मौसमी नालों, जल निकासी चैनलों, तालाबों और अन्य जल निकायों पर अतिक्रमण और जल संसाधनों के रखरखाव में लापरवाही को बढ़ावा दिया है।

इन सभी कारकों ने वर्तमान संकट को बढ़ावा दिया है, जो सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। पंजाब में 2025 की बाढ़ ने साफ़ दिखा दिया कि बड़े बांध, जिन्हें अक्सर “बाढ़ नियंत्रण” के उपाय के रूप में प्रचारित किया जाता है, असलियत में इस भूमिका में ज्यादातर असफल साबित होते हैं।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

शादी अनुदान योजना में 1631 के लक्ष्य के सापेक्ष 816 के लिए धनराशि प्राप्त 94.80 लाख से 474 लाभान्वित

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी सुनहरी लाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि पिछडा वर्ग शादी अनुदान योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अलीगढ़ को कुल 1631 आवेदकों को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। लक्ष्य के सापेक्ष जिले को 816 आवेदकों के लिए 163.20 लाख रूपये की धनराशि का आवंटन किया गया है, जिसके अनुसार वर्तमान में अभी तक वित्तीय वर्ष में 94 लाख 80 हजार से 474 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने जिले के अन्य पिछडे वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ें वर्ग को छोडकर) के गरीब व्यक्तियों को सूचित किया जाता है जिनकी वार्षिक आय 1 लाख प्रतिवर्ष से अधिक न हो। आवेदक शादी की तिथि से 90 दिन पूर्व तथा 90 दिन पश्चात तक किसी जनसेवा केन्द्र के माध्यम से शादी अनुदान पोर्टल पर आवेदन करा सकते है।

विधानसभा स्तर पर होंगी प्रतियोगिताएं

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। महानिदेशक युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में खेल विभाग एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा सबजूनियर, जूनियर, एवं सीनियर वर्ग में जिलाश्तर एवं विधान सभा क्षेत्र श्तर पर 08 विधाओं- एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, बालीबॉल, फुटबॉल, भारोत्तोलन, जूडो एवं बैडमिन्टन में महिला (बालिका) एवं पुरुष (बालक) श्रेणी में ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाना है। मा0 विधायक खेल स्पर्धा में ग्रामीण क्षेत्र में इच्छुक खिलाडी अपना पंजीकरण ऑनलाईन युवा साथी पोर्टल पर विधायक खेल स्पर्धा पंजीयन टैब पर कर सकते है।

दस मोबाइलों के साथ दो दबोचे

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। थाना गभाना पुलिस टीम व क्रिमिनल इंटेलीजेन्स विंग नगर की संयुक्त टीम ने चोरी के मोबाइल फोन खरीदने/बेचने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के खरीदे दस मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता हासिल की हैं। थाना गभाना व क्रिमिनल इंटेलीजेन्स विंग नगर की संयुक्त टीमों ने दो शातिर मोबाइल चोर विशाल तोमर पुत्र कृपाल सिंह, नितिश तोमर उर्फ शेरा पुत्र राजू उर्फ राजेन्द्र प्रसाद निवासीगण महुआ थाना इगलास को मय चोरी के खरीदे हुए दस मोबाइल फोन के साथ महरावल से करीब 800 मीटर फ्लाई ओवर के पास से गिरफ्तार किया है। पूछताछ मे चोरों ने बताया कि वह चोरी के फोन नोएडा से खरीदते है तथा उनका लॉक तुडवाके यहां बेच देते है।

आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने को तीन जोड़े तैयार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। पारिवारिक समस्याओं/ मतभेदों के मामलों को परिवार परामर्श केन्द्र में काउंसलरों द्वारा दोनों पक्षों को साथ बैठाकर उनकी समस्याओं को सुनकर 03 जोड़ों के समझौते कराकर उनके परिवारों को टूटने से बचाया गया ।पहला मामला बन्ना देवी थाना क्षेत्र अलीगढ़ की रहने वाली सरवरी(परिवर्तित नाम) तथा पालीमुकीमपुर के रहने वाले से संचित (परिवर्तित नाम) का था । दूसरा मामला महुआखेड़ा थाना क्षेत्र अलीगढ़ की रहने वाली पाखी (परिवर्तित नाम) तथा गुड़गांव के रहने वाले समर (परिवर्तित नाम) का था। तीसरा मामला गांधी पार्क थाना क्षेत्र अलीगढ़ की रहने वाली अर्चना (परिवर्तित नाम) तथा सोरो कासगंज के रहने वाले रोहन (परिवर्तित नाम) का था। इन सभी मामलो में परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक शिखा त्यागी, काउंसलर, डॉ0 देवेंद्र कुमार, बृजेश मिश्रा, अमित अग्रवाल तथा विनोद कुमार तिवारी के प्रयासों से पक्षकारों के बीच आपसी सुलह समझौता कराया, परिणामस्वरूप सभी दंपतियों ने पुराने मतभेद भुलाकर आपसी सहमति से साथ रहने का निर्णय लिया। इन सभी मामलों में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों से विश्तारपूर्वक वार्ता की, पारिवारिक मूल्यों की महत्ता को समझाया तथा सुलह-समझौते की दिशा में प्रभावी पहल कर उनका पारिवारिक जीवन संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गांजे के साथ दो तस्कर पकड़े

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। जनपद के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों की पुलिस द्वारा शातिर गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध गांजा बरामद किया हैं। थाना टप्पल पुलिस टीम ने एक गांजा तस्कर शातिर गांजा तस्कर सतीश पुत्र कपूर निवासी मौहल्ला पल्लेदार पाडा कस्बा व थाना टप्पल को मय 1450 ग्राम अवैध नशीले पदार्थ गांजा सहित इंटरचेंज के बराबर से नूरपुर जाने वाले राश्ते पर जैन फार्म हाउस गिरफ्तार कब्जे से एक किलो 450 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया है। वहीं थाना क्वार्सी पुलिस टीम ने ए संजय पुत्र नेम सिंह निवासी चंदनिया थाना क्वार्सी जनपद अलीगढ़ को मय 1030 ग्राम अवैध नशीले पदार्थ गांजा सहित इकरा पुलिया के पास बस स्टैण्ड के अन्दर से गिरफ्तार किया है।

पूर्व बसपा विधायक को आजीवन कारावास की सजा, 31 साल पहले दो सगे भाइयों की हत्या का मामला, भारी फोर्स तैनात

उरई , एजेंसी। उरई में दो सगे भाइयों की हत्या में दोषी करार बसपा के पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने गुरुवार को आत्मसर्मपण किया। एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के बाद न्यायाधीश भारतेंदु सिंह ने पूर्व विधायक को दोषी करार करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा का एलान होते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। उन्हें जेल ले जाया जाएगा। वहीं, कोर्ट के बाहर भारी मात्रा में उनके समर्थक मौजूद हैं। इसलिए पुलिस भारी संख्या में तैनात कर दी गई है।

बता दें कि चुर्खी थाना क्षेत्र के बिनौरा बैध गांव में 30 मई 1994 की दोपहर प्रधान के चुनाव की रंजिश व वर्चस्व को लेकर गांव के ही राजकुमार उर्फ राजा भइया और उनके सगे भाई जगदीश शरण की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले में पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान को दोषी करार दिया। सजा सुनाने के लिए 11 सितंबर की तारीख तय की गई थी। दोषी करार होने के बाद से छोटे सिंह फरार था।

राजनैतिक षड्यंत्र में फंसाया जा रहा : अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने लिखा है कि मेरे पूरे विधानसभा परिवार को मेरा प्रणाम। जैसा की सर्वविदित है कि किस प्रकार आपके इस सेवक को राजनैतिक षड्यंत्र में फंसाया जा रहा है... परंतु मुझे भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है...। क्योंकि उक्त प्रकरण में मेरी किसी भी प्रकार की संलिप्तता नहीं थी... परंतु कुछ गणमान्य व्यक्तियों को मेरा क्षेत्र में रहना व सबके सुख-दुख में शामिल होना खल रहा था...। आज मेरे साथ पूरा जनपद परिवार खड़ा हुआ है।

आपका छोटे सिंह हमेशा न्याय के लिए संघर्ष करता आया है : जोकि साफ संदेश दे रहा है की संघर्ष की रात के बाद एक नया सवेरा होगा.. और तथाकथित षड्यंत्रकारी लोग सिर्फ षड्यंत्र करते रह जाएंगे...। लेकिन मेरे लहू का कतरा-कतरा आप सबके लिए है और मरते दम तक अपने लोगों की आवाज को बुलंद करता रहूंगा... उसके लिए भले कितना संघर्ष देखना पड़े... आपका छोटे सिंह हमेशा न्याय के लिए संघर्ष करता आया है और करता रहेगा...। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे सभी साथी दिनांक 11 सितंबर को सुबह 9 बजे जनपद न्यायालय उरई में पहुंचेंगे...। भारत माता की जय। आपका छोटे सिंह चौहान, पूर्व विधायक कालपी।

यह है घटनाक्रम : बिनौरा बैध गांव निवासी राजकुमार और जगदीश के भाई रामकुमार ने थाने में तहरीर दी थी। इसमें बताया था कि 30 मई 1994 दोपहर 11ः30 बजे वह कोठी वाले मकान के बरामदे में बड़े भाई जगदीश शरण, राजकुमार उर्फ राजा भैया, भतीजे कुलदीप कुमार, जीजा रामेंद्र सेन, गांव के वीरेंद्र सिंह व रामकरन तिवारी के साथ बैठकर बात कर रहा था। इसी दौरान गांव के रुद्रपाल सिंह उर्फ लल्ले गुर्जर, राजा सिंह, संतावन सिंह गुर्जर, करन सिंह उर्फ कल्ले व दो अज्ञात अंदर घुस आए। सभी लोग हाथों में बंदूकें व राइफल लिए थे। रुद्र ने कहा कि सभी को घेर लो, कोई जिंदा न बच पाए। इसके बाद इन लोगों ने बंदूक और राइफल से फायरिंग कर दी।

कोर्ट में शीघ्र सुनवाई का आदेश दिया था : गोली लगने से उसके भाई राजकुमार व जगदीश की मौके पर ही मौत हो गई थी और वीरेंद्र सिंह घायल हो गए थे। पुलिस की विवेचना में दोहरे हत्याकांड में छोटे सिंह, अखिलेश कृष्ण मुरारी, बच्चा सिंह, छुन्ना सिंह के नाम भी शामिल किए गए थे। 18 फरवरी 1995 को सभी आरोपियों के खिलाफ वाद जिला एवं सत्र न्यायालय में शुरू हुआ था। वर्ष 2007 में बसपा के टिकट पर कालपी विधानसभा सीट से छोटे सिंह चौहान विधायक बने। हाईकोर्ट से जमानत होने के बाद छोटे सिंह का केस प्रदेश सरकार ने वापस ले लिया था। छोटे सिंह की पत्रावली अपर सत्र एफटीसी ने 19 मई 2005 को समाप्त कर दी थी। इसके बाद वादी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। 24 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के आदेश को निरस्त हुए एमपी-एमएलए कोर्ट में शीघ्र सुनवाई का आदेश दिया था।

प्यार में वीरू बना युवक: पानी की टंकी पर चढ़कर बोला- प्रेमिका कॉल रिसीव नहीं करती

शाहजहांपुर, एजेंसी। शाहजहांपुर के रोजा में अजब मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के बाद बनी प्रेमिका ने कॉल रिसीव नहीं की तो प्रेमी युवक ओवरहेड टैंक पर चढ़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को किसी तरह बात कराने का आश्वासन देकर नीचे उतारा।

थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के चमकनी गाढ़ीपुरा निवासी जीशान उर्फ गुड्डू अविवाहित है। बिहार के पटना की रहने वाली एक युवती से उसकी सोशल साइट से दोस्ती हो गई थी। दोनों मोबाइल फोन पर बात करने लगे थे। जीशान के मुताबिक प्रेमिका बार-बार मिलने आने की बात कहती लेकिन मिलने नहीं आई। इसके बाद उसने फोन उठाना भी बंद कर दिया। ओवरहेड टैंक से कूदने की दी धमकी

बुधवार शाम से फोन नहीं उठाया तो जीशान नाराज होकर बृहस्पतिवार सुबह 10ः30 बजे मोहल्ले में बने ओवरहेड टैंक पर चढ़ गया। ऊपर जाकर चिल्लाने लगा कि उसकी प्रेमिका से बात कराई जाए। कूदने की धमकी देने लगा। इससे नीचे लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। किसी ने पुलिस को सूचना दे दी।

थोड़ी देर में आरसी मिशन थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस वालों ने प्रेमिका से बात कराने का आश्वासन देकर उसे पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे नीचे उतारा। इसके बाद पुलिस उसे लेकर थाने आ गई। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि जीशान के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कारोबारी की तिजोरी से नकदी चोरी करती थी नौकरानी, चाबी गायब मिली तो हुआ खुलासा, पति समेत तीन पकड़े

प्रियंका ने तिजोरी की चाबी हासिल कर ली। इसके बाद जब परिवार के लोग इधर-उधर होते तो वह सफाई करने के बहाने तिजोरी वाले कमरे में घुस जाती और लॉकर खोलकर जेवर व नकदी चोरी कर लेती थी

मुरादाबाद। मुरादाबाद के सिविल लाइंस के रामंगा विहार टीडीआई सिटी निवासी पेंट कारोबारी मनप्रीत सिंह के घर से नौकरानी प्रियंका उर्फ पूजा ने लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ली। नौकरानी धीरे-धीरे तिजोरी से नकदी और जेवर चोरी करती रही और अपने पति और भाई को सामान देती रही। कारोबारी ने लॉकर की चाबी गायब देखी तो इस वारदात का पता चल पाया।

पुलिस ने नौकरानी, उसके पति और भाई को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि रामगंगा विहार टीडीआई सिटी निवासी मनप्रीत सिंह का लाकड़ी फाजलपुर में पेंट का शोरूम है। तीन माह पहले उनके घर अमरोहा के महमूदपुर अबूशहीदपुर उर्फ सूदनपुर निवासी प्रियंका उर्फ पूजा काम मांगने आई थी। उसने कारोबारी को बताया कि वह सिविल लाइंस के मोरा की मिलक में अपने पति और परिवार के साथ रहती है। परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं है। उसे काम मिल जाएगा तो वह घर चलाने में पति की मदद कर सकेगी। कारोबारी ने उसे अपनी घर में नौकरानी रख लिया।

एक दिन प्रियंका ने कारोबारी के घर की तिजोरी में लाखों रुपये की नकदी और जेवर देखा तो उसने इसकी जानकारी अपने पति विकास चौधरी और भाई शिवम को दी। इसके बाद तीनों ने कारोबारी के घर में चोरी की प्लानिंग की। तय हुआ कि वह एक दिन में चोरी नहीं करेंगे बल्कि प्रियंका धीरे-धीरे नकदी और जेवर चोरी करती रहेगी और सामान घर से बाहर लाकर हमें देगी।

योजना के मुताबिक प्रियंका ने तिजोरी की चाबी हासिल कर ली। इसके बाद जब परिवार के लोग इधर-उधर होते तो वह सफाई करने के बहाने तिजोरी वाले कमरे में घुस जाती और लॉकर खोलकर जेवर व नकदी चोरी कर लेती थी। महिला ने तिजोरी से रानी हार, नोज पिन, तीन जोड़ी टप्स, एक नेकलेस सेट, 250 ग्राम चांदी के सिक्के के अलावा लाखों की नकदी चोरी कर ली।

सोमवार को कारोबारी ने तिजोरी की चाबी गायब पाई। तलाश करने पर भी चाबी नहीं मिल पाई तो उन्होंने दूसरी चाबी से तिजोरी खोली तो नकदी और जेवर गायब थे। पुलिस ने केस दर्ज कर नौकरानी से पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह कबूल लिया। इसके बाद पुलिस ने उसके पति विकास चौधरी और छजलैट के दूल्हेपुर गांव निवासी भाई शिवम चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से सोने चांदी के जेवर और 3.98 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं।

किशोरी से दुष्कर्म में दोषी को आजीवन कारावास, एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

मुरादाबाद, एजेंसी। अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) द्वितीय घनेंद्र कुमार की अदालत ने बुधवार को कटघर के नौ साल पुराने किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में मुलजिम गणेश को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

पीड़िता के पिता ने सात फरवरी 2016 को कटघर थाने में बलदेवपुरी निवासी गणेश के खिलाफ केस दर्ज कराया था जिसमें पिता ने बताया कि आरोपी उसकी 17 वर्षीय बेटी को अगवाकर ले गया है। उसने आरोपी के घर जाकर बेटी के बारे में पूछा तो उसे जान से मारने की धमकी दी और घर से भगा दिया।

इस मामले में पुलिस ने किशोरी को बरामद किया और उसका मेडिकल परीक्षण कराया। इसके अलावा मजिस्ट्रेट के सामने उसके बयान दर्ज कराए। पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट और बयानों के आधार पर केस में पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म की धाराएं बढ़ाई और आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था।

पुलिस ने इस मामले में 14 जून 2016 को आरोपी गणेश के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, दुष्कर्म, अपहरण, जान से मारने की धमकी देने में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। इस मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) द्वितीय घनेंद्र कुमार की अदालत में चली।

सरकार की ओर से अभियोजक मनोज गुप्ता और मो. अकरम खान ने पक्ष रखा और आरोपी को कड़ी सजा दिलाने को दलीलें दीं। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मुलजिम गणेश को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

साथ ही उस पर एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। अदालत ने आदेश दिया है कि अर्थदंड की धनराशि में से 75 प्रतिशत पीड़िता को दिया जाएगा। अर्थदंड जमा न करने पर दोषी को पांच माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

भगीपुर फायरिंग केस: एसएसपी का सख्त एक्शन...पूरी गोदाम चौकी निलंबित

एटा , एजेंसी। देर रात हुई फायरिंग की घटना के मामले में एसएसपी श्याम नारायण सिंह ने बड़ी कार्रवाई की है। लापरवाही बरतने पर गोदाम चौकी प्रभारी शिवा जादौन, आरक्षी महीपाल और जितेंद्र को निलंबित किया है। सीओ सिटी व एएसपी अमित कुमार राय ने बताया कि दोनों पक्षों के मध्य पहले भी विवाद हुआ था। उसके बाद भी चौकी प्रभारी की ओर से किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई। इसके कारण आरोपियों के हौसले बढ़ गए और सोमवार को दोनों पक्षों के मध्य फायरिंग हो गई। कोतवाली नगर प्रभारी शंभूनाथ सिंह ने इसी घटना के मामले में मंगलवार को दोनों पक्षों के 14 नामजद व 22 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। फायरिंग में एक पक्ष के युवक सोनू गुप्ता को गोली भी लगी थी। उसका आगरा में उपचार चल रहा है।

मंगलवार शाम को एएसपी क्राइम योगेंद्र सिंह और सीओ सिटी व एएसपी अमित कुमार राय ने पुलिस बल के साथ इलाके में पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया। लोगों से संवाद करते हुए कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्थिति में अराजक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस की गश्त और सख्ती बढ़ाई गई है। पैदल मार्च के दौरान कोतवाली नगर प्रभारी शंभूनाथ समेत कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बाढ़ से कोई जनहानि, राहत कार्यों में बरती जाए सतर्कता: प्रभारी मंत्री

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिलें एवं जनपद प्रभारी मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने गुरुवार विकास खण्ड टप्पल के सभाकक्ष में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पशुपालन, सिंचाई, लोक निर्माण, खाद्य आपूर्ति, पंचायत, विकास तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह आपदा की घड़ी है, अतः सभी विभागीय अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी, निष्ठा, तत्परता एवं ईमानदारी के साथ करें।

उन्होंने एसडीएम शिशिर सिंह को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरण में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए और फसल व संपत्ति नुकसान का सर्वे पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए।

मंत्री ने कहा कि बाढ़ ग्रश्त क्षेत्रों में अभी तक किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया है कि महाराजगढ़ में पुल निर्माण का प्रशताव तैयार करते हुए टूट-फूट एवं कटान वाली सड़कों की मरम्मत का कार्य युद्धश्तर पर आरंभ किया जाए।

इसी प्रकार ग्रामों में विद्युत आपूर्ति शीघ्र सामान्य की जाए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सर्वे व राहत वितरण कार्य में किसी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए, इसे सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

प्रभारी मंत्री ने विश्वास दिलाया कि प्रदेश सरकार संकट की इस घड़ी में बाढ़ पीड़ितों के साथ संवेदना और सहयोग से खड़ी है तथा हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

एसडीएम शिशिर सिंह ने बताया कि महाराजगढ़ एवं पखोदना में बाढ़ की स्थिति देखने को मिली है। प्राथमिक विद्यालय किशनपुर एवं किसान इंटर कॉलेज पखोदना में बाढ़ चौकी की स्थापना की गई।

किसान इंटर कॉलेज के साथ की उपमण्डी टप्पल में बाढ़ग्रश्त परिवारों के आश्रय स्थल बनाया गया। महाराजगढ़, घरबरा, शेरपुर, रामगढ़ी, नगला चंडीगढ़, धारागढ़ी, नगला अमर सिंह, ऊटासानी, पखोदना, नगला रामस्वरूप में राहत सामग्री का वितरण किया गया है। इस अवसर पर सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम वित्त प्रमोद कुमार, एसडीएम शिशिर सिंह, सीओ वरुण कुमार सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नहर से निकलकर हाईवे पर आया मगरमच्छ

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

थाना अकराबाद क्षेत्र में जीटी रोड पर ऊपरी गंग नहर से एक मगरमच्छ बुधवार की रात निकलकर हाईवे पर पहुंच गया। सुबह जब लोगों की नजर सड़क पर घूम रहे विशाल काया वाले मगरमच्छ पर पड़ी तो मौके पर तमाम लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई।

मामले की सूचना पर वन विभाग व पुलिस टीम ने ग्रामीणों की मदद से मगरमच्छ को पकड़कर काली नदी में छोड़ा है। गांव नानऊ निवासी अशोक सिंह आदि ने बताया है कि बृहस्पतिवार की सुबह चार बजे कुछ लोग सड़क पर टहलने के लिए जा रहे थे।

तभी उन्होंने देखा कि नानऊ नहर पुल के पास मंदिर के समीप एक बड़ा सा मगरमच्छ सड़क पर पड़ा हुआ था। जिससे देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। सड़क पर घूम रहे मगरमच्छ की जानकारी होने पर मौके पर तमाम ग्रामीण एवं राहगीरों की भीड़ लग गई। तथा वन विभाग को सूचना दी गई। भीड़ के शोरगुल की आवाज सुनकर मगरमच्छ रेंगता हुआ हाईवे पुल के अंडर पास में घुस गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को अंडर पास में जाने से रोक दिया। जिससे करीब तीन घंटे तक अंडर पास का राश्ता बंद रहा।

डीएओ ने उर्वरक विक्रेताओं को जारी किए निर्देश

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

जिला कृषि अधिकारी धीरेन्द्र सिंह चौधरी द्वारा क्षेत्र भ्रमण के समय कृषको की समस्याओं एवं रबी फसलों आलू, सरसों की बुआई को दृष्टिगत रखते हुये प्रतिदिन क्षेत्र में उर्वरक प्रतिष्ठानों का विश्तृत निरीक्षण किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को स्पष्ट चेतावनी दी जा रही है कि फर्म की पीओएस मशीन में उपलब्ध स्टॉक का प्रदर्शन प्रतिदिन स्टॉक बोर्ड, रेट बोर्ड पर अनिवार्य रूप से करना सुनिश्चित करें, इसके साथ ही फर्म में उपलब्ध उर्वरक का प्रदर्शन अपनी फर्म के सामने रखकर करेंगे जिससे कि कृषको को जानकारी हो सके कि दुकान पर उर्वरक उपलब्ध है, ऐसा न करने पर जिस फुटकर उर्वरक विक्रेता के द्वारा निर्देशों का पालन नहीं किया जाता है आपूर्ति व बिक्री प्रतिबन्धित करते हुये विधिक कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक फुटकर उर्वरक विक्रेता कृषक की खतौनी देखकर व मोबाइल नम्बर बिक्री रजिस्टर में अंकित करने एवं कृषकों को निर्धारित मूल्य पर बिना किसी लगेज के उर्वरक विक्रय करने के साथ ही पीओएस मशीन से निकले वाली पर्ची कृषको को अवश्य उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कृषक भाइयों से अनुरोध किया कि वैज्ञानिक एवं विभाग की फसल संश्तुतियों के आधार पर रबी फसलों में उर्वरकों का प्रयोग करें, जिससे लागत भी कम आये और पैदावार भी ठीक हो एवंही भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहें।

उन्होंने कृषक भइयों को अवगत कराया कि रबी फसलों की बुआई के लिए जिले में यूरिया 11479 मीट्रिक टन, डी. ए. पी. 10396 मीट्रिक टन, एमओपी 1860 मीट्रिक टन, एनपीकेएस 10791 मीट्रिक टन एवं एसएसपी उर्वरक 1039 मीट्रिक टन उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिले में कृषकों की मांग के अनुसार शासन द्वारा निरन्तर उर्वरक उपलब्ध कराया जायेगा।

कुलदीप यादव अब शायद अगला मैच न खेलें: मांजरेकर ने इशारों में गौतम गंभीर की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी। कुलदीप यादव ने दुबई में भारत के लिए एशिया कप अभियान की शानदार शुरुआत की और श्व के खिलाफ केवल 4.3 ओवर में 57 रनों पर ढेर करके रिकॉर्ड तोड़ जीत में मदद की। शुरुआत से ही भारतीय टीम का दबदबा रहा, क्योंकि जसप्रीत बुमराह की बेहतरीन यॉर्कर ने शुरुआत की - लेकिन कुलदीप द्वारा फेंके गए 9वें ओवर में बाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने तीन विकेट लिए, UAE के बल्लेबाजों को धूल चटाई और 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। इंग्लैंड में भारत के सभी 5 टेस्ट मैचों में बेंच पर बैठने के बाद टीम में वापसी करने वाले इस खिलाड़ी ने तुरंत ही अपनी छाप छोड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से अपना हुनर ??दिखाने के लिए बेताब था। कुलदीप के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन साथ ही एक चेतावनी भी दी, उन्हें अक्सर टीम में अंदर-बाहर होते देखा गया है, और संजय मांजरेकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जाहिर कर दिया कि कुलदीप की भागीदारी और समावेशन को जिस तरह से संभाला गया है, उससे वे पूरी तरह सहमत नहीं हैं। मांजरेकर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखते हुए कहा, कुलदीप ने एक ओवर में 3 विकेट लिए। अब शायद अगला मैच न खेलें। उन्होंने एक मजाकिया इमोजी भी लगाई ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी टिप्पणी को सही अर्थ में लिया जाए। कुलदीप टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी, दोनों में भारत की जीत का अहम हिस्सा रहे थे। कई लोगों का मानना है कि उन्हें टेस्ट सीजन में टीम का हिस्सा होना चाहिए था, खासकर जब गौतम गंभीर को नतीजे हासिल करने में मुश्किल हो रही थी। हालांकि इस लेग स्पिनर को एक ऐसे देश में एक विशुद्ध स्पिनर होने का दुर्भाग्य मिला है जहां कई स्पिन गेंदबाज हैं जो बल्ले से भी कमाल दिखा सकते हैं। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें रवींद्र जडेजा और हाल ही में वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी संघर्ष करना पड़ा है।

शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन का किया खुलासा, कहा- गेंदबाजी कोच ने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है

दुबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण शिवम दुबे की गेंदबाजी में भूमिका सीमित हो गई थी लेकिन वह भारतीय टीम के लिए अदद ऑलराउंडर बनना चाहते हैं जिसमें उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मार्गदर्शन मिल रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच में दो ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लेने वाले दुबे ने एक तेज गेंदबाज के रूप ने अपने खेल में सुधार के संबंध में मोर्कल की भूमिका के बारे में बात की। दुबे ने भारत की 9 विकेट से जीत के बाद कहा, 'जब से मैं इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापस आया हूं, तब से मोर्ने मेरे साथ काम कर रहे हैं।

उन्होंने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है और मैंने उन पर अमल किया है। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने मुझे ऑफ स्टंप से थोड़ा बाहर की लाइन पर गेंदबाजी करने को कहा। उन्होंने धीमी गेंद करने को लेकर भी मेरे साथ काम किया और मेरे रन-अप में भी थोड़ा बदलाव किया। मुख्य कोच और कप्तान ने मुझे बताया था कि मेरी गेंदबाजी की भूमिका अहम होगी। आईपीएल के बाद दुबे को अपने ऑलराउंड खेल और फिटनेस पर काम करने के लिए दो महीने का समय मिला। दुबे का आईपीएल में उनकी फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स पावर-हिटर के रूप में ज्यादा इस्तेमाल करती है। दुबे ने कहा, 'पिछले दो महीनों में, मैंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मुझे पता है कि बीच के ओवरों में मुझे (एक पावर-हिटर के तौर पर) अपनी भूमिका निभानी है।

ऐतिहासिक फैसला:

महिला वनडे विश्व कप में अंपायर और रेफरी सिर्फ महिलाएं

दुबई, एजेंसी। महिला वनडे विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक होगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में विश्व कप को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। महिला वनडे विश्व कप क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार होगा जब टूर्नामेंट की सारी मैच ऑफिशियल्स और अंपायर महिलाएं होंगी।

इससे पहले 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स और आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में मैच ऑफिशियल्स और अंपायर के रूप में महिलाएं दिख चुकी हैं। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, यह महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक क्षण है। हमें उम्मीद है कि यह खेल के सभी पहलुओं में कई और नई कहानियों का मार्ग प्रशस्त करेगा। मैच अधिकारियों के रूप में महिला पैनल का शामिल होना न केवल एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि क्रिकेट में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी की अटूट प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रतिबिंब भी है। उन्होंने कहा, यह विकास प्रतीकात्मक मूल्य से कहीं आगे जाता है। यह दृश्यता, अवसर और ऐसे सार्थक रोल मॉडल के निर्माण के बारे में है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर सकें। वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता को उजागर करके, हमारा उद्देश्य आकांक्षाओं को जगाना और इस बात को पुष्ट करना है कि क्रिकेट में नेतृत्व और प्रभाव लिंग-भेद से परे है।

शाह ने कहा, महिलाओं के खेल के विकास में एक नए अध्याय को मान्यता देते हुए हमें गर्व हो रहा है। हमारा मानना है कि इस पहल का प्रभाव इस टूर्नामेंट से कहीं आगे तक जाएगा, जिससे दुनिया भर में अधिकाधिक महिलाओं को अंपायरिंग करियर अपनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी और खेल के भीतर क्या संभव है, इसे पुनः परिभाषित करने में मदद मिलेगी। आईसीसी द्वारा घोषित अंपायर्स और रेफरियों के पैनल में तीन भारतीय नाम भी शामिल हैं। जीएस लक्ष्मी रेफरी होंगी जबकि वृंदा राठी और गायत्री वेणुगोपालन अंपायर होंगी।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मैच शुड गो ऑन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच जारी रहना चाहिए। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने 14 सितंबर को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान एशिया कप टी-20 क्रिकेट मैच को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। जनहित याचिका (पीआईएल) में दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को रद्द करने की मांग की गई थी।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि मैच रविवार को होने वाला है, इसलिए शुक्रवार को ही इस मामले की सुनवाई कर ली जाए। याचिका में दावा किया गया कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना राष्ट्रीय गरिमा और शहीदों के सम्मान के खिलाफ है। यह याचिका चार लॉ स्टूडेंट्स की ओर से दायर की गई, जिन्होंने नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 को लागू करने की भी मांग की। यह याचिका अधिवक्ता स्नेहा रानी, ??अभिषेक वर्मा और मोहम्मद अनस चौधरी के माध्यम से दायर की गई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई वाली बेंच ने गुरुवार को इस अनुरोध को खारिज करते हुए कहा कि यह एक मैच है और इसे जारी रहने देना चाहिए। एशिया कप में भारत ने यूएई के खिलाफ रिकॉर्ड जीत के साथ आगाज किया है। अगला मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच होगा। यह मैच 14 सितंबर को रात 8 बजे से दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने एशिया कप 2025 के अपने पहले मुकाबले में यूएई को 9 विकेट से हराया। पहले गेंदबाजी करते हुए, भारतीय गेंदबाजों ने मुकाबले को एकतरफा बनाया और यूएई को 13.1 ओवर में सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया। स्पिनरों और ऑलराउंडरों के लिए यह एक यादगार रात थी। कुलदीप यादव गेंदबाजी में स्टार रहे, उन्होंने सिर्फ 2.1 ओवर में 7 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने एक-एक विकेट लिया। जसप्रीत बुमराह ने नई गेंद से शुरुआत में ही दबाव बनाए रखते हुए लय हासिल की। यूएई का बल्लेबाजी क्रम उनकी लगातार सटीकता के आगे लड़खड़ा गया, जिसमें सिर्फ अलीशान शराफू के 17 गेंदों में 22 रन ही रहे। 58 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के शीर्ष क्रम ने कोई समय बर्बाद नहीं किया। अभिषेक शर्मा ने 16 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 30 रनों की तेज पारी खेली, जबकि शुभमन गिल ने सिर्फ 9 गेंदों पर नाबाद 20 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो बड़े शॉट लगाकर टीम को जीत दिलाई और 13.33 की तेज रन रेट से भारत को सिर्फ 4.3 ओवर में जीत दिला दी।

वर्ल्डबॉक्सिंग चैंपियनशिप:

नूपुर-पूजा ने मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक पक्का किया, निकहत बाहर

लिवरपूल, एजेंसी। महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती नूपुर ने चैंपियनशिप के अपने पहले मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर 80 किग्रा से अधिक वर्ग के अंतिम चार में प्रवेश किया। भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए थे।

पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। इस बीच भारत के पुरुष मुक्केबाजों के अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हार गए। उनके बाहर होने के बाद पुरुष वर्ग में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा) ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा। इस तरह से भारतीय पुरुष मुक्केबाजों का ताशकंद में खेली गई पिछली विश्व चैंपियनशिप की तुलना में यहां प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पिछली प्रतियोगिता में दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। महिलाओं की पिछली प्रतियोगिता नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी जिसमें नीतू घंघास (48 किग्रा), निकहत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते थे।

पूजा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले राउंड में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने पलटवार करते हुए यह राउंड 3-2 से जीत लिया। एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता पूजा ने दूसरे राउंड में अच्छी वापसी करके बड़ी बढ़त हासिल की। तीसरे राउंड तक दोनों मुक्केबाज थक चुकी थीं, लेकिन पूजा ने धैर्य बनाए रखा और आखिर में अपने नाम पर पदक पक्का किया।

स्पेनिश लीग मैच में एमबाप्पे का अपमान करने वाले शख्स पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि लीग की आधिकारिक शिकायत के बाद की गई जांच में आरोपी की पहचान की गई और उसे हिरासत में लिया गया। आरोपी पर आरोप है कि उसने मैच के दौरान एमबाप्पे की ओर बंदर जैसी हरकतें और आवाजें निकालीं। स्पेनिश पुलिस ने एक दर्शक को गिरफ्तार किया है, जिस पर रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी कायलियन एमबाप्पे के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणी करने का आरोप है। यह घटना पिछले महीने स्पेनिश लीग के एक मुकाबले में हुई थी। पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि लीग की आधिकारिक शिकायत के बाद की गई जांच में आरोपी की पहचान की गई और उसे हिरासत में लिया गया। आरोपी पर आरोप है कि उसने मैच के दौरान एमबाप्पे की ओर बंदर जैसी हरकतें और आवाजें निकालीं।

हाल के वर्षों में लगातार आ रहीं घटनाएं

यह घटना 24 अगस्त को रियल मैड्रिड और ओवीएदो के बीच खेले गए मुकाबले के पहले हाफ के दौरान घटी थी। उसी समय एमबाप्पे ने मैच का पहला गोल किया था और मैड्रिड ने मुकाबला 3-0 से जीता था। स्पेनिश फुटबॉल में हाल के वर्षों में अश्वेत खिलाड़ियों के खिलाफ नस्लभेदी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पिछले हफ्ते, एस्पान्योल क्लब के एक प्रशंसक ने एथलेटिक बिलबाओ के फॉरवर्ड इनियाकी विलियम्स का पांच साल पहले किया गया नस्लीय अपमान स्वीकार किया था और जेल की सजा से बचने के लिए समझौता कर लिया था।

सात्विक-चिराग की जोड़ी का हांगकांग ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी, क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। हांगकांग ओपन 2025 में भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी राउंड ऑफ 16 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड की जोड़ी पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल से था जिसमें करीब डेढ़ घंटे तक चले इस मैच में कुल तीन सेट का मुकाबला हुआ जिसे भारतीय मेंस जोड़ी ने 2-1 से अपने नाम करते हुए अगले दौर के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया। पहले सेट में मिली हार, अगले 2 सेट में दिखाया शानदार खेल वर्ल्ड नंबर 9 रैंकिंग जोड़ी सात्विक और चिराग को राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड के खिलाफ मैच में पहले सेट में 18-21 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद दूसरे सेट में सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21-15 उसे अपने नाम करने के साथ मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में सात्विक और चिराग ने काफी आक्रामक खेल दिखाया जिसमें उनके स्मैश और तेज रिफ्लेक्सेस का जवाब थाईलैंड की जोड़ी पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल के पास नहीं था और उन्हें निर्णायक सेट में 21-11 के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सात्विक और चिराग की जोड़ी को राउंड ऑफ 32 में ताइवान की जोड़ी के खिलाफ भी कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा था जिसमें उन्होंने पहला सेट तो 21-13 के अंतर से जीता लेकिन दूसरे सेट में 18-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद तीसरे सेट को 21-10 के अंतर से जीतकर वह राउंड ऑफ 16 में पहुंचने में कामयाब हुए थे।

अब इस देश में होगा रेसलमेनिया, लिक हो गई प्रेस रिलीज

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के फैंस के लिए एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है। डब्ल्यूडब्ल्यूई का सबसे बड़ा इवेंट रेसलमेनिया 43 सऊदी अरब में होने की पूरी संभावना है। अगर ऐसा होता है तो यह पहली बार होगा जब रेसलमेनिया का आयोजन उत्तरी अमेरिका के बाहर किया जाएगा। यह खबर तब सामने आई जब एक प्रेस रिलीज गलती से लीक हो गई थी, जिसे बाद में तुरंत हटा लिया गया।

प्रेस रिलीज का लीक से मचा बवाल

रिपोर्ट के अनुसार अरबी भाषा में लिखी गई यह प्रेस रिलीज गलती से जारी हो गई थी, लेकिन सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है कि यह खबर 100 सच है। माना जा रहा है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा करेगा। इस खबर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई और सऊदी अरब के बीच बढ़ते संबंधों को एक नई ऊंचाई दी है। इस घोषणा के साथ यह भी खुलासा हुआ है कि सऊदी अरब 2026 में रॉयल रंबल जैसे बड़े इवेंट की भी मेजबानी करेगा, जो सऊदी अरब में होने वाला दूसरा सबसे बड़ा डब्ल्यूडब्ल्यूई इवेंट होगा।

डब्ल्यूडब्ल्यूई -सऊदी अरब साझेदारी का विस्तार

रेसलमेनिया का यह 43वां सीजन होगा। डब्ल्यूडब्ल्यूई पहले ही यह घोषणा कर चुका है कि रेसलमेनिया 42 लास वेगास, नेवादा के एलीगेंट स्टेडियम में 2026 में होगा। यह लगातार दूसरा साल होगा जब यह स्टेडियम रेसलमेनिया की मेजबानी करेगा। सऊदी अरब के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूई का रिश्ता 2018 में शुरू हुई 10 साल की साझेदारी का हिस्सा है।

रोनाल्डो से प्रेरणा लेते हैं एशिया कप हॉकी के स्टार अभिषेक, अब है विश्व कप जीतने का सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिषेक ने बताया कि भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह को देखकर ही उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया था। हालांकि जब तक अभिषेक टीम में आए, तब तक सरदार सिंह रिटायर हो चुके थे। भारतीय हॉकी टीम के स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी अभिषेक ने हाल ही में हुए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर न केवल खिताब जीता, बल्कि 2026 हॉकी वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई भी कर लिया। इस टूर्नामेंट में अभिषेक ने छह गोल किए और कई मौकों पर गोल बनाने में सहायक रहे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

मुझे रोनाल्डो से मिलती है प्रेरणा

अभिषेक ने बताया कि उनके शुरुआती कोच शमशेर दहिया, अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के फैन हैं और चाहते थे कि अभिषेक वैसा ही खेले। लेकिन अभिषेक ने हमेशा क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अपना आदर्श माना। उन्होंने कहा, मैं रोनाल्डो के मैच देखता हूं और उनसे स्कोरिंग, पोजिशनिंग, टाइमिंग और शूटिंग के बारे में सीखता हूं। फुटबॉल और हॉकी दोनों ही टीम गेम हैं, और रनिंग और स्टैमिना का अहम रोल होता है। रोनाल्डो मेरी प्रेरणा हैं।

सरदार को देखकर शुरू हुआ हॉकी का सफर

अभिषेक ने बताया कि भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह को देखकर ही उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया था। हालांकि जब तक अभिषेक टीम में आए, तब तक सरदार सिंह रिटायर हो चुके थे। अपने भाई आशीष और एक दोस्त को देखकर उन्होंने पहली बार हॉकी स्टिक थामी थी। बचपन में एक बार कलाई में चोट लगने के कारण माता-पिता ने हॉकी खेलने से मना कर दिया था, लेकिन उनके कोच ने उन्हें दोबारा मैदान पर लाने में मदद की। अभिषेक आज भी अपने पहले कोच, जो हिंदी शिक्षक भी थे, से सलाह लेते हैं। उन्होंने कहा, शमशेर सर को भले ही आधुनिक हॉकी की ज्यादा जानकारी न हो, लेकिन वह मेरे खेल को बहुत अच्छे से समझते हैं।

अगला लक्ष्य: विश्व कप और ओलंपिक में पदक

पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक और हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी का अगला सपना है विश्व कप जीतना। उन्होंने कहा, हमने 50 वर्षों से विश्व कप नहीं जीता। मुझे लगता है कि हमारी टीम में वो काबिलियत है। हमें सिर्फ निरंतरता और फिनिशिंग पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम दौर में ले जाने के लिए टीम को जीतने की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा कि अब ओलंपिक में सिर्फ कांस्य नहीं, सोने का पदक चाहिए।